डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

04 दिसंबर 2023 सोमवार

आज का मौसम

22 अधिकतम

17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

निचोड़ सत्ता के सेमीफायनल के नतीजों का

सनातनी भाव की ओर बढ़ रहा देश, भाजपा को मजबूत कर रहा प्रदेश-प्रदेश

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नए साल की गर्मियों में होने वाले लोकसभा चुनाव की दहलीज पर हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का सबब आखिर क्या है? मोदी का चेहरा है? मोदी की गारंटी है? अमित शाह और जगत प्रकाश नड्डा की जोरदार रणनीति है? मप्र के मुख्यमंत्री सरीखे भाजपा नेताओं की लाड़ली बहना सरीखी गेमचेंजर योजना है? मुफ्त की रेवडि?ों की प्रतिस्पर्धा है? या कांग्रेस के प्रति लोगों का घटती विश्वसनीयता या आम जन की नब्ज से हटता उसका हाथ है? या फिर कांग्रेस और अन्य वैकल्पिक क्षेत्रीय दलों के समर्थन में जुटते के अल्प संख्यक वर्ग विशेष लोगों के जमावड़े के खिलाफ सनातन धर्म को मानने वाले हिंदुओं की भाजपा के पक्ष में बढ़ती एकजुटता है? या फि र यह माना जाए कि मप्र, छत्तीसगढ़ या राजस्थान में व्यक्ति विशेष के चेहरे के बजाए सामूहिक नेतृत्व के आधार पर लड़ा गया चुनाव है? इन नतीजों से यह तो साफ है कि कांग्रेस केवल उन्हीं राज्यों में भाजपा या क्षेत्रीय दलों का विकल्प रह गई है जहां कोई और रास्ता मतदाताओं के सामने नहीं रह गया है।

ये तमाम सवाल इसी मीमांसा की तरफ इशारा करते हैं कि मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ और राजस्थान तथा तैलंगाना में हुए चुनावों के नतीजे ऐसे क्यों आ रहे हैं। इन सभी चुनाव राज्यों का सिलसिलेवार चुनावी विश्लेषण किया जाए और अगले साल गर्मियों में होने वाले लोकसभा चुनावों के संभावित नतीजों पर विचार किया जाए तो स्थिति काफी हद तक साफ हो सकती है और देशी भावी दिशा की तरफ पहुंचा जा सकता है। कड़वी सच्चाई किसी को अच्छी लग सकती है या किसी को आहत कर सकती है लेकिन इसकी परवाह किए बगैर एक प्रो-पीपुलल्स पत्रकार के नाते अपनी बात रखने की कोशिश करता हूं। शुरूआत मध्यप्रदेश से।

बढ़ता सनातनी भाव ले जा रहा भाजपा को लक्ष्य की ओर

अल्पसंख्यकों के एक वर्ग में आक्रामक अंदाज में भाजपा के खिलाफ जितना तेजी से विकर्षण और कांग्रेस के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है, उतना ही तेजी से देश के हिंदुओं में धीरे-धीरे और गुपचुप ही सही सनातनी भाव प्रतिक्रिया स्वरूप बढ़ता जा रहा है। यह भाव ही भाजपा को पचास फीसदी मतों के लक्ष्य के पार पहुंचाने में मदद कर रहा है। यानि चुनाव दर चुनाव उसके पक्ष और खिलाफ में होते उलट पुलट (फ्लोटिंग वोट) मतदाताओं पर उसकी निर्भरता कम होती जाएगी।

1-जीत को हार में तब्दील करना कांग्रेस से सीखें: याद कीजिए मध्यप्रदेश में छह महीने पहले के हालात को। सूबे में कड़ी मेहनत करने के बावजूद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी सरकार के खिलाफ जनता में सत्ता विरोधी माहौल को देखकर कांग्रेसी पुलकित थे। हालात 2018 से भी बदतर थे। कांग्रेस को लग रहा था कि शिवराज पर उबलते लोग कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए टूट पड़ेंगे। लेकिन गांधी परिवार की अंडरएस्टीमेटेड नेता प्रियंका गांधी ने 23 जुलाई 2023 को ग्वालियर में कांग्रेस की चुनावी रैली को आगाह कर दिया था कि कांग्रेसी अपने हमले का निशाना केवल शिवराज पर साधें। भाजपा के दूसरे नेताओं की अनदेखी करें। ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमले से बचें। प्रियंका गांधी के इन मंसूबों को मप्र के कांग्रेसी नेता तो नहीं भांप सके लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसको ताड़ गए। उन्होंने शिवराज को कांग्रेस के सीधे हमलों से बचाने के लिए कैलाश विजयवर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटैल जैसे नेताओं की फौज खड़ी कर दी तो केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनावी समर में उतारने के बजाए पूरे प्रदेश में झोंक दिया। फिर शाह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के वादों और जीत की गारंटी बनकर खड़े हो गए। इसके बाद नतीजा पूरी तरह पलट गया। मालवा-निमाड़ में कैलाश विजयवर्गीय ने जान फूंकी तो महाकौशल सहित लोधी बाहुल्य इलाकों में प्रहलाद पटैल ने कमाल दिखाया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना ने राजगढ़, गुना, रायसेन विदिशा से लेकर, बुंदेलखंड विंध्य और जबलपुर जैसे जिलों में बहनों को भाई के साथ खड़ा कर दिया।

2-सिंधिया गद्दार नहीं खुद्दार: इसके विपरीत 2018 में चुनावों से चंद महीने पहले आईपीएल क्रिकेट की तर्ज पर मध्यप्रदेश कांग्रेस की फ्रैंचाईजी लेने वाले कोरोबारी कम नेता कमलनाथ यही मानते रहे कि वह 15 महीने की सत्ता संभालने के अनुभवों का लाभ लेकर सूबे में कांग्रेस की नैया पार लगा देंगे। उनकी टीम के मेंटर पांच साल पहले भी दिग्विजय सिंह थे और इस बार भी वही परदे के पीछे रहकर नाथ को मध्यप्रदेश में कांग्रेस की राजनीति का पाठ पढ़ाकर पास करा देंगे। लेकिन अति आत्मविश्वास में डूबे नाथ यह भूल गए कि टीम मप्र की फ्रैंचाईज भले ही उनके साथ हो। मेंटर भले ही दिग्गीराजा हों पर मैदान पर खेलने वाला खिलाड़ी ज्योतिरादित्य सिंधिया उनके पास नहीं है, जिनके सहयोग से कांग्रेस बहुमत के करीब पहुंची थी। नाथ-और दिग्गी ने 2018 में सरकार बनाने के बाद सिंधिया को हाशिए में धकेलने की कोशिशें तेज कर दीं। नाथ ने उन्हें सडकों पर उनकी सरकार के खिलाफ सडक पर उतरने की चुनौती दी लेकिन सिंधिया ने उनको सडक पर ला दिया। सत्ता का साथ छूटने से खीझे नाथ और दिग्गी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को गद्दार कहना शुरू कर दिया। लेकिन 2023 के नतीजों ने साबित कर दिया कि सिंधिया ने मार्च 2020 में गद्दारी के लिए नहीं बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए कांग्रेस छोड़ी।

3-मोदी-शाह की रणनीति काम आई: यदि भाजपा ने कांग्रेस की तरह गेहलोत, भूपेश बघेल या कमलनाथ के चेहरे पर चुनाव लड़ा होता तो पार्टी के भीतर की सिरफुटौव्वल उसे भी वोट प्रतिशत और जीत के आंकड़ों में नीचे उतार देती। इसलिए मोदी शाह ने तीनों राज्यों में स्थानीय चेहरों को पीछे रखते हुए भाजपा के नाम और खुद के चेहरे को सामने रखकर चुनाव लड़ा और तीनों ही राज्यों में हारी बाजी को जीत में तब्दील कर डाला।

4- कांग्रेस के सीमित होते विकल्प: हिमाचल में भाजपा का पुराने ट्रेंड को तोडकर सत्ता में न आ पाने का मलाल या कर्नाटक में भाजपा की गल्तियों से मिली जीत को अपना समझने वाली कांग्रेस के पास जीत के विकल्प लगातार कम हो रहे हैं। कांग्रेस या तो राजस्थान, छत्तीसगढ़ , मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में सत्ता में आ-जा रही है जहां भाजपा या क्षेत्रीय दलों का कोई विकल्प नहीं है। या फिर या तमिलनाडू, पंजाब जम्मू कश्मीर, आंध्र या केरल जैसे राज्यों में जहां अभी तक भाजपा मजबूत विकल्प के बतौर खड़ी नहीं हो सकी है। बिहार से लेकर तमिलनाडू तक उसके लिए क्षेत्रीय दल बैसाखी बने रहे हैं। तैलंगाना में कांग्रेस इसलिए जीती क्योंकि वहां भाजपा केसी चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति का विकल्प नहीं बन सकी है। लेकिन आट सीटों की जीत और 14 फीसदी वोट शेयर के साथ उसने आने वाले वर्षो के लिए अपनी प्रभावी दस्तक तो दे ही दी है। साथ ही बीआरएस के सामने इंडिया के बजाए एनडीए के साथ जुड़ने का विकल्प भी दिया है।

मिजोरम में जेडपीएम बहुमत की ओर

नई दिल्ली। मिजोरम विधानसभा चुनाव के परिणाम आज आ रहे है। रुझानों के मुताबिक जोरम पीपुल्स मूवमेंट राज्य में सरकार बनाने जा रही है। जेडपीएम फिलहाल 27 सीटों पर आगे चल रही है। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट 10 सीटों पर सिमट रही है। भाजपा 2 सीटों पर लीड के साथ तीसरे स्थान पर है, वहीं कांग्रेस सिर्फ 1 सीट तक ही सिमट गई है। सूबे में विधानसभा की कुल 40 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 21 है ।

तेलंगाना में वायुसेना का एयरक्राफ्ट क्रैश, दो की मौत

हैदराबाद , एजेंसी।

तेलंगाना में भारतीय वायुसेना के एक ट्रेनर एयरक्राफ्ट के दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटना तेलंगाना के मेदक जिले की है। हादसे के वक्त विमान में एक ट्रेनर पायलट और एक ट्रेनी पायलट मौजूद थे। हादसे में दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के डिंडीगुल स्थित एयर फोर्स एकेडमी से सुबह के समय ट्रेनर विमान ने उड़ान भरी थी। जिसके बाद सुबह 8.55 बजे यह विमान हादसे का शिकार हो गया। वायुसेना ने बताया कि ट्रेनर विमान रुटीन उड़ान पर था। हादसे में दोनों पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

दक्षिणी राज्यों में तूफान, चैन्नेई एयरपोर्ट जलमग्न

चैन्नेई, एजेंसी। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में आसमान में काले बादलों का घेरा मुसीबत बन रहा है। कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश तो बीते 3-4 दिन से हो रही है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि आज और कल का दिन तूफान मिचौंग के चलते काफी भारी रहने वाला है, लिहाजा सरकार और प्रशासन अलर्ट है। म लोगों को भी सावधान रहने और एहतियात बरतने की सलाह दी जा रही है। मूसलाधार बारिश के कारण चेन्नई एयरपोर्ट के रवने एवं सबवे सब पानी-पानी हो गए हैं। जिसके चलते फ्लाइट्स प्रभावित हैं।

भाजपा हाईकमान की आज दिल्ली बैठक में होगी चर्चा की शुरुआत

मप्र समेत 3 राज्यों में केबीसीएम सबसे बड़े सवाल पर सन्नाटा

भोपाल/नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

तीन राज्यों में जोरदार बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा के भीतर अब तीन चेहरों को मुख्यमंत्री के बतौर 'चुनने' की कवायद शुरू हो गई है। इन राज्यों मे कौन बनेगा सीएम अब सबसे बड़ी उत्सुकता है। औपचारिक तौर पर इसे कल तक तय किया जा सकता है। वहीं जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा मुख्यमंत्री का चुनाव चार पांच महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत करेगी तथा किसी भी किस्म के 'जोखिम' से भरसक बचने की कोशिश भी करेगी। आज शाम को भाजपा के शीर्ष नेताओं की एक बैठक भी होने वाली है। इसमें तीन राज्यों में सीएम के लिए चर्चा होगी। मप्र में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार चल ही रही है,इस बार भी कमान उन्हीं के हाथ दिये जाने के आसार हैं। इसकी वजह मप्र में भाजपा को प्रचंड बहुमत है। यह अंदरखाने भाजपा नेतृत्व की उम्मीदों से ज्यादा कहा जा रहा है। राजस्थान व छत्तीसगढ में चेहरा चुनने की कवायद ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

रूटीन यथावत... भाजपा की जोरदार चुनावी जीत और व्यस्त चुनाव कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री चौहान ने प्रतिदिन पौधारोपण के क्रम में आज श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में नीम, जामुन और अमरूद के पौधे रोपे।

मप्र में मलमास से पहले बनेगी सरकार

इस माह 16 दिसंबर से मलमास की शुरुआत हो रही है, ऐसे में इससे पहले सीएम और मंत्रियों को शपथ ग्रहण करना होगा। मप्र की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल दिसंबर में खत्म हो रहा है। मलमास में सभी मांगलिक कार्य रूक जाएंगे। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में 16वीं विधानसभा के लिए सीएम पद के लिए चेहरा तय जल्द ही शपथ ग्रहण हो सकता है। हालांकि कयासों में शिवराज सिंह चौहान के बाद नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की भी चर्चा चल रही है।

वसुंधरा के अलावा 3 नाम, दो को बुलाया: राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया,सीपी जोशी के अलावा भी विकल्पों पर विचार होगा। केंद्र की पसंद दलित नेता और केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल माने जा रहे हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत और बाबा बालकनाथ का नाम भी इस लिस्ट में ऊपर है। हालांकि खबरें हैं कि जीत के बाद केंद्र ने केंद्रीय मंत्री शेखावत को दिल्ली तलब किया है। साथ ही बाबा बालकनाथ को भी पार्टी हाईकमान ने मिलने बुलाया है।

छग में होगा नया प्रयोग ! छत्तीसगढ में रमन सिंह की वापसी को लेकर कुछ संशय बना हुआ है। हालांकि उनके पास तीन बार का अनभुव है। मगर भाजपा महाराष्ट्र और हरियाणा मॉडल की तरह कोई ऐसा नाम सामने लेकर आ सकती है जिसकी दूर-दूर तक कहीं कोई चर्चा न हो। इनमें विजय बघेल की उम्मीदवारी मजबूत है। प्रदेशअध्यक्ष अरुण साव सीएम पद के लिए दावेदार बन सकते हैं। वहीं ब्यूरोक्रेट ओपी चौधरी तब चर्चाओं में आए थे जब उन्होंने 2018 के चुनावों के पहले नौकरी से इस्तीफा देकर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। आदिवासी नेता के नाम पर रामविचार नेताम का नाम सबसे ऊपर आ सकता है।

संसद सत्र शुरू, मोदी का जोरदार स्वागत

नई दिल्ली/भोपाल। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद आज संसद के शीत सत्र की शुरूआत हो गई है। सत्र के शुरू होते ही एनडीए के सांसदों ने पीएम मोदी का तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया। इसके अलावा, मोदी की मौजूदगी में लोकसभा में 'तीसरी बार मोदी सरकार' और 'बार-बार मोदी सरकार' के नारे भी सुने गए। संसद सत्र में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। हालांकि सत्र शुरूआत के मौके पर बीएसपी सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। बाद में हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को 12 बजे तक स्थगित किया गया।

मेट्रो एंकर

नजर नहीं आने वाले स्विंग वोटर्स ने किया खेल

नई दिल्ली , एजेंसी।

हर बार की तरह इस चुनावी रेस में भी वोट स्विंग ने अहम रोल निभाया है। एक या दो प्रतिशत नहीं, बल्कि 0.49 प्रतिशत में मध्य प्रदेश में बड़ा खेल हो गया है। 2018 के मुकाबले में कांग्रेस का वोट प्रतिशत सिर्फ 0.49 प्रतिशत घटा और पूरी 48 सीटें कम हो गईं। इसी तरह अन्य राज्यों के चुनाव में भी वोट स्विंग ने इस बार सरकार बनाने और गिराने में अहम रोल निभाया है। राजस्थान में कांग्रेस का वोट बढा तो सीटें घट गई और वह सत्ता से बाहर हो गई। दरअसल विधानसभा चुनाव में वोट स्विंग होना आम बात मानी जाती है। राजनीतिक जानकर कहते हैं कि एक-दो प्रतिशत वोट स्विंग होने से ही सरकारें बनाने और गिराने के सारे समीकरण बदल जाते हैं। वहीं डेटा कहता है कि कई राज्यों में सिर्फ एक या दो परसेंट वोटों के अंतर से सरकार बदल जाती हैं। ऐसे में सभी पार्टियां अपने बेस वोट बैंक को साधने पर खास फोकस तो रखती ही हैं। अन्य दलों के परंपरागत वोट में भी सेंध लगाने में कसर नहीं छोड़ती हैं। ताकि सत्ता के समीकरण सटीक बैठाए जा सकें।

वोट शेयर की बात की जाए तो इस बार बीजेपी ने राजस्थान में 41.69 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं। कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वोट मिले हैं. 2018 में बीजेपी को 38.77 प्रतिशत और कांग्रेस को 39.30 प्रतिशत वोट मिले थे। यानी कांग्रेस ने इस बार 0.23 प्रतिशत ज्यादा वोट हासिल किए लेकिन, 30 सीटों का नुकसान हो गया है। वहीं, बीजेपी के वोटिंग परसेंटेज में जबरदस्त 2.92 फीसदी सुधार हुआ है और सीधे 42 सीटों का फायदा पहुंचा है। आंकडे कहते हैं कि बीजेपी का वोटिंग परसेंटेज बढ़ने से कांग्रेस को नुकसान पहुंचा है। बीजेपी ने कांग्रेस समेत अन्य दलों के वोट बैंक में सेंध लगाई है. निर्दलीय से लेकर बागी और छोटे दल भी पिछली बार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके।

तेलंगाना : कांग्रेस को 45 सीटों का फायदा

तेलंगाना की सत्ता से केसीआर 9 साल से सरकार चलाने के बाद बाहर हुए हैं। कांग्रेस ने तेलंगाना में पहली बार सरकार बनाई है। जबकि 2014 में केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना को अलग राज्य बनाया था। तब से दो चुनाव हुए और दोनों में केसीआर की पार्टी बीआरएस ने जीत हासिल की। तेलंगाना में 119 सीटों पर चुनाव में बहुमत के लिए 60 सीटों का आंकड़ा जरूरी था. इस चुनाव में कांग्रेस ने 64 सीटें जीतीं। कांग्रेस को 45 सीटों का फायदा हुआ। बीआरएस ने 39 सीटों पर जीत हासिल की। उसे 49 सीटों का नुकसान पहुंचा. भाजपा ने 8 सीटें जीतीं. बीजेपी को सात सीटों का फायदा पहुंचा।

सिग्नलों में तकनीकी के इस्तेमाल में जबलपुर पीछे, भोपाल मंडल आगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल सिग्नलों को आधुनिक तकनीकी से लैस करने में भोपाल रेल मंडल मप्र के अन्य मंडलों की तुलना में सबसे आगे चल रहा है। इस मंडल में बीना से लेकर भोपाल और भोपाल से लेकर इटारसी तक यह काम करीब 250 किलोमीटर के दायरे में किया जा रहा है। इसे अलग–अलग चरणों में जल्द पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं मप्र में आने वाला जबलपुर मंडल इस काम में बहुत पीछे है। यहां अभी काम की शुरूआत तक नहीं हुई है। केवल टेंडर जैसी प्रक्रिया ही चल रही है तो मप्र में आने वाला रतलाम मंडल ने अच्छी शुरूआत की है। यहां बीते दो महीने से काम ने गति पकड़ ली है। इन सिग्नलों के लगने से ट्रेनों की गति बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

मामला रेल सिग्नलों को आधुनिक बनाने का

अभी यह है ट्रेनों की गति

उल्लेखनीय है कि अभी वंदे भारत, शताब्दी व राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें औसतन 100 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही है। वहीं एक्सप्रेस व मेल ट्रेनों को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाने का दावा किया जा रहा है लेकिन ये ट्रेनें औसतन 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही दौड़ पा रही है। ही चल रही है। इनमें से भी 90 प्रतिशत ट्रेनां की औसत गति 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा ही है। आधुनिक सिग्रल लगने के बाद इनकी गति में औसतन 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे का सुधार होगा।

यह होगा फायदा

उल्लेखनीय है कि अभी रेलवे ट्रैक पर पुरानी तकनीकी से लैस सिग्नल लगे हैं, जिन्हें ऑटोमेटिक ब्लाक सिग्नल से अपग्रेड किया जाना है। यह आधुनिक सिग्रल सिस्टम है, जिसमें एक से दूसरे स्टेशन के बीच एक के पीछे एक अधिकतम चार ट्रेनें एक चलाई जा सकेंगी। अभी ट्रैक पर एब्सोल्यूट ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम काम कर रहे हैं, जिसमें दो स्टेशनों के बीच एक ट्रेनें चलाई जा रही है। इस सिस्टम में इंटरमीडिएट ब्लॉक सेक्शन सिग्रल लगाकर अधिकतम दो ट्रेनों से अधिक नहीं चला सकते। रेलवे के जानकारों का कहना है कि पुराने सिग्नल के कारण जब तक एक स्टेशन से चलने वाली ट्रेन दूसरे स्टेशन तक नहीं पहुंच जाती, तब तक पीछे वाल स्टेशन से दूसरी ट्रेन को उसी ट्रैक पर नहीं चलाया जा सकता। इस तरह ट्रेनों की गति पर असर पड़ता है। आटोमेटिक सिग्रल लगने से कम समय में सुरक्षित तरीके से अधिक ट्रेनें चलाई जा सकेंगी।

पर्यावरण संरक्षणः हर पौधे पर होगा क्यूआर कोड

अब सरकारी अस्पतालों में तैयार होंगे बॉटनिकल गार्डन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण के लिए अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में बॉटनिकल गार्डन तैयार होंगे। नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) ने सभी जिला अस्पतालों में बाटेनिकल गार्डन तैयार करने के आदेश दिए हैं।

कायाकल्प अभियान के तहत ऐसे गार्डन को अनिवार्य बनाया गया है। हरके पौधे पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। इसे स्कैन करने पर पौधे के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी होगी। प्रदेश में वर्तमान में 51 जिला अस्पताल हैं, जिनमें इस तरह के गार्डन को डेवलप करने को लेकर निर्देश जारी किए गए है। इनमें से कुछ जिलों में से गार्डन में पहले से हैं, जिनको व्यवस्थित किया जाता है।

जेपी अस्पताल में चार सौ से अधिक औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाएंगे

योजना के तहत राजधानी के जेपी अस्पताल में गार्डन को डेवलप करने के लिए काम किया जा रहा है। जेपी अस्पताल में भी इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। अस्पताल प्रबंधन ने उनके यहां काम करने वाले सभी चिकित्सकों से अस्पताल को पौधा भेंट करने के लिए कहा है। इतना ही नहीं, जो चिकित्सक जिस पौधे को दान करेगा, वो उसका अस्पताल के गार्डन में रोपण भी करेगा। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार जेपी में चार सौ से अधिक औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

सामान्य जन से भी पौधे दान करने के लिए अपील

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल को हरा-भरा बनाने का प्रयास है। यहां आने वाले मरीजों और उनके स्वजनों को इससे अच्छा लगेगा। जल्द ही बाटेनिकल गार्डन आकार लेने लगेगा। चिकित्सकों के अलावा सामान्य जन से भी पौधे दान करने के लिए अपील की जा रही है। गार्डन के लिए प्रदेश के सभी अस्पतालों को प्रयास करना है।

दवा बाजार में दुकानों के सामने ही लग रहा कचरे के ढेर

भोपाल। सफाई में देशभर में भोपाल को जहां नंबर-एक बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने कमर कस ली है तो वहीं लापरवाही भी बरती जा रही है। हमीदिया रोड स्थित दवा बाजार जैसे संवेदनशील क्षेत्र में मेडिकल वेस्ट यानि दवाओं के रैपर, पन्नियां और पुट्ठे के डब्बे दुकानों के सामने ही फेंके जा रहे हैं। निगम के सफाई अमले द्वारा इस कचरे को उठाने की भी फुर्सत नहीं है।

भोपाल में बूंदाबांदी के आसार

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर चार मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। इनके प्रभाव से वातावरण में नमी आ रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक हवाओं का रुख भी पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। हवाओं के साथ नमी आने के कारण बादल छाए हुए हैं। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग के जिलों में बादल छाए रहेंगे। साथ ही बूंदाबांदी भी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक वर्तमान में अरब सागर पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। एक पश्चिमी विक्षोभ

हरियाणा के दक्षिणी भाग पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध बनी हुई है। दक्षिणी राजस्थान पर हवा के ऊपर बना चक्रवात अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर पहुंच गया है।

आरोग्य केन्द्र में 10 दिनी रोग निवारण शिविर शुरू

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में साधक सीख रहे स्वस्थ रहने की कला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, शुक्रवार से शुरू हुआ यह शिविर 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें साधकगण अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं।

शिविर की शुरूआत पंजीयन एवं परामर्श के साथ हुई। शुभारंभ व्याख्यान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गुलाब राय टेवानी ने दिया। टेवानी ने कहा, प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना सम्भव है। शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखेगें। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं।

इसलिए इस शिविर का नाम ही ÷रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर÷ रखा गया है। यह एक हॉस्पिटल नहीं, बल्कि हीलिंग होम हैं, यहाँ पर आपको प्रतिदिन स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। हमारा आहार ही हमारी औषधि हैं, इसलिए आहार ऐसा हो जो सुपाच्य, स्वादिष्ट, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक हो। पक्व आहार से जीवित तो रह सकते है, लेकिन स्वस्थ नहीं हो सकते हैं।

चतुर्वेदी का निधन, अंतिम संस्कार होशंगाबाद में

भोपाल । जनसंपर्क विभाग के पूर्व अपर संचालक अरविंद चतुर्वेदी का 90 वर्ष की आयु में देहांत हो गया।

चतुर्वेदी कुछ समय से बीमार थे। आज उनका अंतिम संस्कार होशंगाबाद में हो रहा है। आज सुबह चतुर्वेदी की पार्थिव देह के दर्शन के लिए उनके अरेरा कॉलोनी स्थित निवास पर अनेक पूर्व अधिकारी और मित्र पहुंचे।

कॉलेज चलो अभियान 11 दिसंबर से होगा शुरू

सरकारी स्कूलों में होंगे कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कालेज चलो अभियान के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों के दायरे में आने वाले स्कूलों में इन गतिविधियों को संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी स्कूलों में 11 दिसंबर से 31 जनवरी तक काउंसलिंग की जाएगी। स्कूलों में काउंसलिंग करने के बाद शिक्षकों को विद्यार्थियों के माता-पिता से भी मुलाकात करना है। ताकि वे अपने बच्चों का कॉलेज में दाखिला करवा सकें। इस संबंध में रिपोर्ट बनाकर उच्च शिक्षा विभाग को भेजी जाएगी।

पांच-पांच सरकारी स्कूलों में कार्यक्रम- उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार, कॉलेजों के शिक्षकों को पांच-पांच सरकारी स्कूलों में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम करना है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, मेधावी,

संबल, गांव की बेटी सहित अन्य योजना के बारे में बताना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर सरल तरीके से पूर्ण जानकारी देना है। विद्यार्थियों को उनकी रुचि के मुताबिक विषयों का चयन करवाना है। इसमें विषय विशेषज्ञों की मदद लेना है। प्लेसमेंट गतिविधियों, एनसीसी, एनएसएस के बारे में भी बताना होगा।

मेट्रो एंकर | आतिशबाजी, मिष्ठान वितरण किया भाजपाइयों ने

हुजूर पर रामेश्वर शर्मा की जीत का मना संतनगर में जश्न

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा की लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कराने पर संतनगर में जश्न मनाया गया। आतिशबाजी कर भाजपाइयों ने मतदाताओं का आभार जताया। शर्मा ने 97 हजार 910 वोटों से जीत दर्ज कराई है।

चंचल चौराहे पर भाजपा की एतिहासिक जीत और भाजपा उम्मीदवार रामेश्वर शर्मा की रिकॉर्ड जीत का जश्न मनाया गया। आतिशबाजी की गई और मिठाई का वितरण किया गया।

हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की जीत को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शाम 7.00 बजे संत नगर के मुख्य मार्ग पर पटाखे फोड़े और मिठाइयां बाटी। संतनगर मंडल सहित आसपास के कई भाजपा कार्यकर्ता संतनगर स्थित चुनाव कार्यालय पहुंचे। यहां पर एक-दूसरे को गले लगा कर जीत की बधाई दी।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार नरेश ज्ञानचंदानी को दूसरी बार हराकर यह बता दिया कि हुजूर आज भी भाजपा का गढ़ है। कांग्रेस कभी सेंधमारी नहीं कर सकती जीत की खुशी मनाने वालों में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल भाजपा नेता चंद्र प्रकाश इसरानी राहुल राजपूत कमल विधानी मनीष बागवानी शेट्टी चद्नानी, लवीन मनसुखानी रामू केवट, आदि मौजूद रहे।

श्रीराम की और काम की जीत है - रामेश्वर

प्रदेश की जनता के मन में भारतीय जनता पार्टी के प्रति विश्वास है। यह राम की और काम की जीत है। मध्यप्रदेश के मन में मोदी बसता है तो प्रदेश में कमल खिलना ही था। जनता के मन में मोदी के प्रति चाहत और शिवराज सिंह चौहान की सभाओं में जनसैलाब उमड़ता है, लाड़ली बहना जब चमत्कार करती है तो परिणाम स्वरूप चौतरफा कमल ही कमल खिलता है। मध्यप्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत के बारे में मीडिया के साथियों से चर्चा करते हुए भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह जीत सनातन विरोधियों के गाल पर भी एक अच्छा खासा तमाचा है कि सुधार जाओ। सोचो कि जिस प्रकार रावण ने विरोध किया था राम का तो परिणाम क्या हुआ था। कंस ने विरोध किया था कृष्ण का तो परिणाम क्या हुआ था। आज तुम सनातन का विरोध कर रहे हो कांग्रेसियों तो परिणाम तुम समझ लो कि तुम्हारा परिणाम होने वाला क्या है। यह वह सनातन है जिसे रावण, बाबर अकबर और हुमायूं भी नहीं मिटा पाए तो तुम जैसे कांग्रेसियों की औकात क्या है। जब-जब सनातन से टकराओ तो चूर-चूर हो जाओगे।

विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद की दो तस्वीरें और मुखमुद्राएं...

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सीएम शिवराज ने भाजपा की जीत का जश्न लोगों के बीच मनाया, वहीं कांग्रेस नेता कमलनाथ व प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मीडिया के सामने आकर हार स्वीकार की और खामोशी से कार्यालय से रवाना हो गये।

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मप्र में 230 में से 163 पर जीत दर्ज की

गोविंदपुरा: भाजपा की सबसे बड़ी *किलेदार* बनीं कृष्णा गौर

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मप्र में 230 में से 163 पर जीत दर्ज की लेकिन मध्य प्रदेश में चुनाव के दौरान भाजपा ने मुख्यमंत्री के रूप में कोई चेहरा सामने नहीं रखा था, यहां नरेन्द्र मोदी के फेस को ही सामने रखकर चुनाव लड़ा गया। अब चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री पद की रेस में शिवराज सिंह चौहान सहित कई नाम चल रहे हैं। भाजपा नेतृत्व जल्द ही इस पर फैसला लेने जा रहा है, मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत में लाड़ली बहना योजना का भी योगदान माना जा रहा है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले की सभी विधानसभा सीटों पर इस बार उम्मीदवारों के मिली जीत कई तरह से चौंकाने वाली है। खास बात यह है कि दो नये उम्मीदवार पहली बार में ही चुनाव जीते हैं। इनमें दक्षिण क्षेत्र से भगवानदास सबनानी हैं और उत्तर क्षेत्र से आतिफ अकील हैं। वहीं पांच सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज करके कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। उसके दिग्गज उम्मीदवार पीसी शर्मा की हार पार्टी को ही चौंका रही है। मप्र में अपनी हार के कारणों का विश्लेषण करने कांग्रेस अगले सप्ताह बैठने वाली है।

विधानसभा चुनाव 2023 में नोटा

विधानसभा क्षेत्र	नोटा मत
बैरसिया	1829
उत्तर	766
हुजूर	2135
मध्य	1151
गोविंदपुरा	2561
नरेला	878
दक्षिण -पश्चिम	1189
कुल	10485

एक लाख 6 हजार 668 मतों से प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी जीत

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने एक लाख छह हजार 668 मतों से प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी जीत हासिल की है। जबकि भोपाल जिले में पहली सबसे बड़ी जीत उन्होंने प्राप्त की है। वहीं हुजूर से रामेश्वर शर्मा ने भोपाल जिले में दूसरी बड़ी जीत कुल 97 हजार 910 मतों से प्राप्त की है। पिछले 2018 चुनाव की अपेक्षा कृष्णा गौर को 60 हजार 309 और रामेश्वर शर्मा को 82 हजार 185 अधिक मत मिले हैं।

सातों विधानसभा क्षेत्र में जीत का अंतर

विधानसभा क्षेत्र	प्रत्याशी	अधिक मत मिले
बैरसिया	विष्णु खत्री	25397
उत्तर	आतिफ अकील	26987
नरेला	विश्वास सारंग	24569
दक्षिण-पश्चिम	भगवानदास सबनानी	15833
मध्य	आरिफ मसूद	15891
हुजूर	रामेश्वर शर्मा	97910
गोविंदपुरा	कृष्णा गौर	106668

इस बार विधानसभा चुनाव में चौंकाने वाले नतीजे आए सामने

विधानसभा चुनाव में इस बार चौंकाने वाले नतीजे रहे हैं लेकिन भोपाल जिले की सात विधानसभा सीटों में भाजपा के सबसे पुराने किले गोविंदपुरा में मिली जीत भी चौंकाने वाली है। यहां भाजपा उम्मीदवार कृष्णा गौर ने एक लाख से ज्यादा मतों सेचुनाव जीता है। नवरत्न कंपनी भेल और गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र में श्रमिक नेता से उभरकर मुख्यमंत्री तक पहुंचने वाले बाबूलाल गौर ने रिकार्ड आठ बार विजय हासिल करके जो मजबूत नींव बनाई थी, उसे उनकी बहू कृष्णा गौर ने और मजबूत कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि इस सीट पर जिले में सबसे ज्यादा तीन लाख 93 हजार 213 मतदाता हैं, इस मतदान में दो लाख 47 हजार 854 मतदाताओं अर्थात 63.03 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था। इस सीट पर पांच दशकों से भाजपा की मजबूत पकड़ है। गौर परिवार की सीट पर इस बार कांग्रेस मैदान में मजबूती से खड़ी भी नहीं हो पाई। कृष्णा गौर की टक्कर में कांग्रेस प्रत्याशी रवींद्र साहू झूमरवाला की अपने क्षेत्र में पहले से ही सक्रियता नहीं रही थी। क्षेत्र के कई अन्य दावेदारों के बीच भी वे नये ही है। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने क्षेत्र को नापने की कोशिश तो की, लेकिन बड़े इलाके में सब तक पहुंच नहीं पाए। दूसरी तरफ महापौर भी रह चुकी कृष्णा गौर की अपने विधानसभा क्षेत्र में गजब की पकड़ को साबित कर दिया है। छोटे-छोटे आयोजनों में बुलाए जाने पर भी वे उपस्थिति जरूर दर्ज कराती हैं। माना जा रहा है कि एक बार के महापौर रहने के बाद विधानसभा चुनावों में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने से वरिष्ठता और महिला कोटे से मंत्री पद की दावेदार भी बन गई हैं।

गोविंदपुरा में ढाई हजार नोटा

जिले की सात विधानसभा क्षेत्र में से सबसे अधिक गोविंदपुरा में ढाई हजार मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया है। जबकि सातों विधानसभा क्षेत्र में कुल 10 हजार 485 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया है। जो कि पिछले विधानसभा चुनाव वर्ष 2018 से एक हजार 146 कम हैं। पिछले चुनाव में सातों विधानसभा क्षेत्र में कुल 11 हजार 631 मतदाताताओं ने नोटा पर अपना मत दिया था।

दो करोड़ से ज्यादा वोट जुटाए भाजपा ने

मप्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का टारगेट रखा था और चुनाव परिणाम घोषणा के बाद वह इस टारगेट के काफी करीब तक पहुंचने में कामयाब भी रही है। 163 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर भाजपा को इस चुनाव में दो करोड़ से अधिक वोट मिले हैं। कांग्रेस इसके मुकाबले 35 लाख से कम वोट हासिल कर सकी है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद यह भी स्पष्ट हो गया कि इस चुनाव में आम आदमी पार्टी, बीएसपी और समाजवादी पार्टी ज्यादा असर नहीं रहा। वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा को 41 प्रतिशत वोट मिले थे और कांग्रेस उससे महज 60 हजार वोट ही पीछे थी, लेकिन सीटों की संख्या कांग्रेस की ज्यादा थी और भाजपा की कम।

तिनका तिनका इंडिया अवॉर्ड

जेल बंदियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा

मप्र की जेलों पर भी हुआ प्रकाशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देश में जेल सुधार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार 9 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदान किए जाएंगे। इन अवॉर्ड्स की परिकल्पना जेल सुधारक डॉ. वर्तिका नन्दा ने साल 2015 में की थी. ये एकमात्र ऐसे पुरस्कार हैं जो जेलों में रचनात्मकता और अति विशिष्ट काम के लिए दिए जाते हैं। तिनका तिनका इंडिया अवॉर्ड्स को 4 श्रेणियों में विभाजित किया गया है- पेंटिंग, विशेष उल्लेख (स्पेशल मेंशन), तिनका तिनका बंदिनी अवॉर्ड्स और जेल प्रशासक पुरस्कार।

जेल में असाधारण काम करने वाले और जेल जीवन को बेहतर बनाने के लिए अन्य बंदियों की भलाई में योगदान देने वाले बंदी को विशेष उल्लेख पुरस्कार दिया जाता है। जेल प्रशासक पुरस्कार कम से कम 10 साल की जेल सेवा वाले जेल कर्मचारियों को दिया जाता है। जानकारी के मुताबिक इस साल भी पेंटिंग, स्पेशल मेंशन और जेल स्टाफ की श्रेणी में करीब 500 प्रविष्टियां आई हैं। इनमें एक विदेशी नागरिक की प्रविष्टि भी शामिल हैं। हर साल देश की किसी महत्वपूर्ण जेल में पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है. 2022 में यह सेंट्रल जेल, साबरमती (गुजरात), 2021 में सेंट्रल जेल, भोपाल और 2020 में जिला जेल, फरीदाबाद (हरियाणा) में आयोजित किया गया था।

मप्र के जेलजीवन का उल्लेख

डॉ. वर्तिका नन्दा दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज में पत्रकारिता विभाग की प्रमुख है। तिनका तिनका श्रृंखला की तीन पुस्तकें ङ्क तिनका तिनका तिहाड़, तिनका तिनका डासना और तिनका तिनका मध्य प्रदेश भी जेल जीवन पर उत्कृष्ट कृतियों के रूप में पहचानी जाती हैं और कारागार जीवन पर एक प्रामाणिक दस्तावेज हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

उद्योगों की मांग के अनुरूप एक हजार युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल स्किल्स पार्क ने आईआईएम इंदौर एवं राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गुजरात के साथ पार्टनरशिप एग्रीमेंट करके 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। प्रशिक्षण, प्रबंधन एवं अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थान आईआईएम इंदौर, में एक हजार युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से ग्लोबल स्किल्स पार्क मध्यप्रदेश मे कौशल विकास के केंद्र के रूप में कार्य कर उद्योगों की मांग के अनुरूप युवाओं को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए आईआईएम इंदौर के साथ हुयी साझेदारी में आईआईएम इंदौर वेब एवं मोबाइल डिजाइन, डिजिटल गेमिंग, डिजिटल मार्केटिंग, एमएसएमई के संचालन एवं प्रबंधन, उद्यमिता के क्षेत्र मे प्रतिवर्ष लगभग 700 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेगा जो कि स्नातक, डिप्लोमा अथवा उद्योगों कर्मी होंगे।

प्रतिवर्ष लगभग 1000 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान

सेंटर आफ एक्सीलेंस के लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी एवं साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र के साथ सीसीएनए, सीईएच और सीसीएनपी के कोर्सेज करवा कर प्रतिवर्ष लगभग 1000 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेगा। ग्लोबल स्किल्स पार्क के साथ हुये इस समझौते के अंतर्गत ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल कैम्पस मे सेंटर आफ एक्सीलेंस के लिए बिना किसी लागत के अत्याधुनिक इनफ्रास्ट्रक्चर में 24 घंटे उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं के साथ कंप्यूटर लैब एवं हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधायुक्त स्मार्ट क्लासरूम की उपलब्धता करवाएगा। साथ ही पाठ्यक्रम के डिजाइन एवं निर्धारण करने, प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए चयन करने के साथ उद्योगों की मांग अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओ को संबंधित उद्योगों मे रोजगार उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी सहयोगी संस्थानों की होगी।

मेट्रो एंकर परीक्षा में नवंबर माह तक पढ़ाए गए कोर्स से ही प्रश्न पूछे जाएंगे

6 दिसंबर से 9वीं से 12वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं, डीपीआई ने तैयार किए पेपर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 6 दिसंबर से बोर्ड की तर्ज पर शुरू होंगी। इन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्र लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा तैयार कराए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है।

परीक्षा में नवंबर माह तक पढ़ाए गए कोर्स से ही प्रश्न पूछे जाएंगे। 9वीं और 10वीं की परीक्षा 6 से 15 दिसंबर तक सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक संचालित की जाएंगी। इसी तरह 11वीं और 12वीं की परीक्षा 6 से 16 दिसंबर तक दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संचालित होंगी। इन्हीं तारीखों के बीच प्राचार्य अपनी सुविधानुसार प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित करा सकेंगे।

फाइल फोटो

4 से 8वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 20 दिसंबर से

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में चौथी से आठवीं तक की कक्षाओं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) ने संशोधन किया है। जिसके अनुसार, अब यह परीक्षाएं 20 दिसंबर से 28 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। सभी कक्षाओं का पहला पेपर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी का रहेगा।

सुविचार

प्रेम और करुणा जितना ही हमारे अंदर होगा, हमारा जीवन उतना ही सुंदर होगा।

- अज्ञात

संपादकीय

नतीजों से लौटा विश्वास

देश के पांच राज्यों के चुनाव के नतीजे अगले पांच महीने के भीतर होने वाले लोकसभा चुनावों के बरक्स कुछ बातों को अब साफ कर रहे हैं। दरअसल सत्ता का सेमीफाइनल कहे जा रहे विधानसभा चुनावों के नतीजों ने फिर साबित किया है कि फिलहाल तो उत्तर भारत में भाजपा ही बेहद ताकतवर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का कोई जवाब विपक्षी दलों के पास नहीं है। इन चुनावों में कांग्रेस ने प्रदेश नेताओं को तरजीह देने की रणनीति अपनाई थी, जबकि भाजपा ने सभी राज्यों में सामूहिक नेतृत्व के आधार पर पीएम मोदी के चेहरे के भरोसे मैदान में उतरना मुनासिब समझा था, क्योंकि पिछले चुनाव में इन्ही राज्यों में वह चेहरे घोषित करके मैदान में उतरी थी और हारी थी। अब चुनाव नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि आम वोटरों के बीच पीएम मोदी के नाम और चेहरे का सिक्का आज भी पहले की ही तरह चलता है। दूसरी, भाजपा और कांग्रेस दोनों ने मुफ्त रेवड़ियों की घोषणा करने में उदारता दिखाई थी। लेकिन वोटरों ने कांग्रेस की गारंटी के बजाय मोदी की गारंटी को प्राथमिकता दी, जिससे साफ है कि मोदी के नाम की विश्वसनीयता कहीं ज्यादा है। तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन चुनावों में कांग्रेस का कास्ट सेंसस का कार्ड नहीं चला। इस कार्ड की अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि भाजपा भी इस मसले पर दबाव में थी और रक्षात्मक मुद्रा में दिख रही थी। लेकिन चुनाव नतीजों से साफ हो गया है कि ओबीसी का सपोर्ट काफी हद तक बीजेपी के साथ बना हुआ है। ऐसे में आगामी लोकसभा चुनावों के लिहाज से यह मसला अपनी अहमियत खोता नजर आ रहा है। चुनावी राज्यों की बात की जाए तो मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को इस बात का श्रेय तो जाता ही है कि मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाए जाने के बावजूद वह पूरे दम-खम से मैदान में डटे रहे और बड़ी जीत हासिल की। इस जीत में मोदी व केंद्र सरकार की योजनाओं के अलावा खुद शिवराज सरकार की कुछ हालिया योजना भी सतह के भीतर काम करती रहीं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से बाहर जरूर हुई, लेकिन दोनों जगह इसने मप्र के मुकाबला ज्यादा तगड़ी टक्कर भाजपा को दी। इस लिहाज से यह तो साफ होता है कि सत्ता गंवाने के बाद भी कांग्रेस छत्तीसगठ व राजस्थान में काफी हद तक अपनी जमीन बचाए हुए है। मप्र के लिये कांग्रेस को नये सिरे से ढांचा तैयार करने की चुनौती भी है। कांग्रेस नेतृत्व के लिए अखरने वाली बात यह रही है कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी जीत मानकर चल रही थी। लेकिन वहां भाजपा का जमीनी स्तर पर कैंपेन काम आ गया। तेलंगाना में कांग्रेस को शानदार जीत मिली है। जबकि छह महीने पहले तक उसे मुकाबले में भी नहीं माना जा रहा था। मगर क्षेत्रीय पार्टी बीआरएस को उसने बुरी तरह पराजित कर दिया। ऐसे में यह सवाल खासा अहम हो गया है कि इंडिया गठबंधन यहां से किस तरह आगे बढ़ेगा। क्या उसमें शामिल अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस को अपने लिए चुनौती के रूप में देखेंगी? क्या प्रतिकूल चुनाव नतीजों से कांग्रेस को लगा झटका उसे अन्य सहयोगी दलों के लिए ज्यादा स्वीकार्य बनाएगा? इन सवालों के जवाब अगले कुछ दिनों में मिलेंगे,जब गठबंधन की बैठक होगी। मगर यह तय है कि भाजपा अब ज्यादा आत्मविश्वास के साथ लोकसभा चुनाव में उतरेगी।

निशाना

हो ऐसा उपाय !

- कृष्णेन्द्र राय

पत्रकारिता स्वच्छ रहे।
हो ऐसा उपाय ।।
काम है जो सच्चा।
है वही सहाय ।।
है रह कर निष्पक्ष।
करनी हर पड़ताल ।।
रहे ध्यान केंद्रित।
वाजिब भी सवाल ।।
बेवजह और बेमतलब से।
है पाना छुटकारा ।।
बात सही है लोकतंत्र का।
आप भी सहारा ।।
ज़िम्मेदार बन कर।
है सब कुछ निपटाना ।।
पास आपके ताकत है।
दुनिया ने भी माना ।।

आज का इतिहास

- 1796 बाजीराव द्वितीय, मराठा साम्राज्य के पेशवा बने।
- 1783 अमेरिकी जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने औपचारिक रूप से अपने अधिकारियों को न्यूयॉर्क शहर के फ्रैंन्स टैवन में विदाई दी।
- 1786 मिशन सांता बारबरा की स्थापना पाद्री फर्मिन लस्यूएन ने कैलिफोर्निया में स्पेनिश मिशन के दसवें हिस्से के रूप में की थी।
- 1796 बाजीराव द्वितीय पेशवा नियुक्त।
- 1829 भारतीयों के कड़े विरोध के बावजूद, लॉर्ड बेंटिक ने जहानिमा को हटा दिया और फैसला किया कि सती प्रथा का समर्थन करने वालों को हत्यारा घोषित किया जाएगा।
- 1860 गोवा के मारगाव के अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली। वह विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि लेने वाले पहले भारतीय बने।
- 1918 द्वितीय विश्व युद्धः अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने वर्साय की यात्रा के लिए फ्रांस की यात्रा की। विल्सन अपनी अध्यक्षता के दौरान यूरोप की यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति थे।
- 1943 द्वितीय विश्व युद्धः यूगोस्लाविया ने एक परगंडा सरकार की स्थापना की।
- 1952 इंग्लैंड में स्मॉग की घनी परत के छा जाने के कारण हजारों लोगों की जान चली गई थी।
- 1952 लंदन में कोहरा छाया रहा। अगले कुछ हफ्तों में, कोहरे और प्रदूषण के कारण 12,000 से अधिक मौतें हुई हैं।
- 1954 मियामी, फ्लोरिडा में पहला बर्गर किंग खुला।
- 1958 डाहोमी (अब बेनिन) ने फ्रांसीसी शासन के तहत स्वायत्तता हासिल की।
- 1959 भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई एवं विद्युत परियोजना पर हस्ताक्षर।
- 1967 देश के पहले रॉकेट 'रोहिणी आरएच 75' का थुम्बा से प्रक्षेपण हुआ।
- 1971 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भारत और पाकिस्तान के बीच खराब होते हालात के मद्देनजर आपात सत्र बुलाया।
- 1971 भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान नौसेना और कराची पर हमला किया।
- 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध।।। : संयुक्त राष्ट्र ने भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक बुलाई।

बहुत कठिन है डगर संसद की

राकेश अचल

पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों ने नए साल में विपक्ष के लिए संसद की डगर को बहुत कठिन बना दिया है। % अर्बन नक्सलियों % के प्रचंड विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चल गया और खानदानी जादूगर हार गए। हालाँकि चुनावों के सभी नतीजे अप्रत्याशित और अविश्वसनीय हैं ,लेकिन उन्हें ख़ारिज नहीं किया जा सकता। जनादेश तो होता ही शिरोधार्य करने के लिए है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के लिए जहा ये नतीजे आत्मपरीक्षण के लिए एक बड़ा अवसर हैं वहीं लोकसभा चुनाव के लिए बनाये गए आईएनडीआईए [इण्डिया] गठबंधन के लिए एक अग्निपरीक्षा।

इस समय देश विचारधाराओं के बजाय ऐसे मुद्दों पर विभाजित होता दिखाई दे रहा है जो नए नहीं है। नया सिर्फ इतना है कि देश, आजादी से पहले जहाँ खड़ा था ,आज भी वहीं खड़ा नजर आ रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि आजादी के पहले राजनीति %प्रोडक्ट% नहीं थी और उसके साथ किसी तरह की कोई गारंटी बाबस्ता नहीं थी । जो कुछ था वो एक संघर्ष से हासिल आजादी और एक संविधान था। मुझे हैरानी होती है कि जो राजनीति आजादी की लड़ाई के फौरन बाद देश में औंधे मुंह गिरी थी वही राजनीति आजादी के 75 साल बाद शीर्ष पर है। और इसकी वजह शायद विचारशून्यता ही हो सकती है। अब त्रेता नहीं कलियुग है । हानि,लाभ,जीवन,मरण,जस,अपजस सब % विधि % के नहीं % नृप % के हाथ में हैं ,और ये आम चुनाव से पहले हुए सेमीफाइनल में साबित भी हो गया। अब जनता विधि के बजाय नृप पर ज्यादा भरोसा कर रही है। राजा की गारंटियां अपना असर दिखा रहीं हैं। कोई इसे स्वीकार करे या न करे ,इससे इन गारंटियों और नयी राजनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो देश के उस मूल चरित्र पर पड़ता है जिसके लिए देश ,दुनिया में जाना -पहचाना जाता रहा है। चुनावों में कौन ,किस वजह से हारा ,किस वजह से जीता इसका विश्लेषण राजनीतिक दल करें,ये काम हमारा नहीं है। क्योंकि राजनीति में हमारा कोई दखल नहीं है । यदि होता तो हम भी चुनाव लड़ रहे होते। हम तो जन्मजात % वाच डॉग % हैं हिंदी पट्टी में कांग्रेस के पास अब केवल हिमाचल प्रदेश है। ये प्रदेश इतना बड़ा है जितने हमारे सूबे के अनेक शहर हैं। हिमाचल की सत्ता में रहकर कांग्रेस पूरे देश से अपने लिए ताकत नहीं बटोर सकती । कांग्रेस के लिए दक्षिण की चार मीनार के दो दरवाजे बेशक खुल गए हैं लेकिन इनसे मिलने वाली ऊर्जा भी शेष भारत में कांग्रेस के मुरझाये पौधे को संजीवनी नहीं दे सकते।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा के लिए संसद का रास्ता जितना आसान हो सकता है कांग्रेस और शेष विपक्ष के लिए उतना ही कठिन । क्योंकि भाजपा के लिए अब स्पर्द्धा कम हो गयी है जबकि कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन को एकजुट बनाये रखना आसान नहीं रहा। कांग्रेस यदि तेलंगाना के बजाय मध्य प्रदेश या राजस्थान जीतती तो मुमकिन है कि परिदृश्य कुछ और होता,लेकिन ऐसा हो नहीं सका। कांग्रेस मध्य प्रदेश तो तीन साल पहले ही गंवा चुकी थी ,अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ भी उसके हाथ से निकल गया। इसके लिए भाजपा ने कौन सा अनाम ऑपरेशन चलाया ,कोई नहीं जानता। मुमकिन है कि भविष्य में इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व भी उसे छोड़ना पड़ जाये। क्योंकि अब गठबंधन के तमाम सदस्य कांग्रेस नेतृत्व को आँखें दिखने की स्थिति में आ गए हैं।

कांग्रेस के पास एक विरासत जरूर है लेकिन उसकी संगठनात्मक शक्ति लगभग समाप्त हो चुकी है। कांग्रेस के पास अब कोई ऐसा संगठनकर्ता नजर नहीं आता जो पार्टी के लिए नए सिरे से एक मजबूत संगठन खड़ा कर सके। सांगठन बनाना एक पूर्णकालिक काम है। संगठन के लिए ऐसे लोग होना चाहिए जो सत्ता लोलुप न हों। इस देश में कैडर पर आधारित वामपंथ का साम्राज्य समाप्त होते देखा है। देश अब कांग्रेस को संकुचित होते हुए देख रहा है ,और यदि कांग्रेस अब भी न सम्हली तो देश कांग्रेस को भी हासिये पर खड़ा होते देख सकता है। कांग्रेस का वजूद अब तक उस विचारधारा की वजह से बचा है जो उसे गाँधी-नेहरू से विरासत में मिली थी। कांग्रेसका नेतृत्व इस विरासत को नयी पीढ़ी को हस्तांतरित करने में नाकाम दिखाई दे रहा है।

आप अन्यथा ले सकते हैं किन्तु मेरा मानना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस को अपने पांवों पर खड़ा करने की अनथक कोशिश की है। राहुल की कोशिशें यदि रंग नहीं ला पा रहीं तो उसकी एकमात्र वजह कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी का सत्तालोलुप और सामंती होना है । कांग्रेस में अब कोई कामराज योजना की कल्पना नहीं कर सकता । तमाम बड़े राज्यों में कांग्रेस के पास जय और वीरू की जो जोड़ियां हैं वे उम्रदराज हो चुकीं हैं ,लेकिन नया नेतृत्व पनपने ही नहीं दे रहीं। कांग्रेस ये स्वीकार करने के लिए शायद तैयार नहीं है कि वो अब देश की सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस जिस संघर्ष के रस्ते से देशवासियों के दिल में उतरी थी ,वो संघर्ष करने का माद्दा कांग्रेस के पास नहीं है।

क्या आप नहीं मानते कि आज देश में भाजपा को छोड़ जितने भी राजनीतिक दल हैं उनमें से अधिकांश कांग्रेस के गर्भ से उसके दम्भ की वजह से नहीं जन्मे ? देश में आज कांग्रेस की जितनी औरस संताने हैं उतनी जनसंघ या भाजपा की नही। देश में जितने भी समाजवादी राजनीतिक दल हैं उनके डीएनए में भी कहीं न कहीं,थोड़ी-बहुत कांग्रेस है। यहां तक की बहुजन समाजवादी पार्टी भी कांग्रेस का ही एक सह उत्पाद है। कांग्रेस में यदि कोई प्रभावी दलित नेता होता तो शायद बसपा जन्म ही न लेती। अब कांग्रेस खुद को सम्हालने के साथ ही यदि देश में बिखरे हुए विपक्ष को सम्हालने के लिए काम करे तो ही उसका वजूद बच सकता है। अन्यथा भाजपा और संघ की रणनीति के सामने कांग्रेस को ढेर होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। कांग्रेस विहीन भारत भाजपा और आरएसएस का ख्वाब हो सकता है ,लेकिन पूरे देश का नहीं। कांग्रेस विहीन भारत कैसा होगा इसका अनुमान आज लगना आसान नहीं है।

विजय पथ पर बढ़ती भाजपा को बधाई देने के साथ ही लगातार पराजित होती कांग्रेस के प्रति भी सहानुभूति है। राहुल गांधी के प्रति सहानुभूति है । राहुल ने पिछले दस साल में कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत कुछ किया है। लेकिन उस गरीब के पीछे जो लोग खड़े हैं वे ही उसके हितैषी नहीं हैं। राहुल विधानसभा चुनावों के नतीजों की समीक्षा करने हिमालय की किसी गुफा में जाएँ या विदेश के किसी रमणीक स्थल पर ये उनका निर्णय है। हम और आप तो फ़िलहाल अब सत्तारूढ़ भाजपा के नए प्रहसनों से मनोरंजन करें तो बेहतर है ।भाजपा के पास एक से बढ़कर एक मनोरंजक कार्यक्रम हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

हिंसक होते बच्चे, सामाजिक सजगता से ही संभव है इस प्रवृत्ति पर अंकुश

गुलाम अहमद

इंदौर के एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा के एक छात्र पर उसके ही तीन सहपाठियों ने ज्योमेट्री कंपास से 108 बार हमला कर घायल कर दिया। इस घटना में शामिल सभी बच्चे 10 वर्ष से कम उम्र के बताए जा रहे हैं। इस घटना से मुझे कुछ समय पहले की वह बात याद आ गई, जब मेरा 10 वर्षीय चचेरा भाई बगल में बैठा ऑनलाइन गेम खेल रहा था, जिसमें उसे जीतने के लिए अपने दुश्मनों को मारना था। मैं उसकी खुशी देख सकता था, जो उसे गेम में अपने दुश्मनों को मारने से मिल रही थी। मुझे आश्चर्य हो रहा था कि गेम जीतने की खुशी का प्रतिद्वंद्वी को मारने से कितना गहरा संबंध है!

इंदौर की घटना कोई पहली नहीं है, जब इतनी कम उम्र में बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति देखने को मिली हो। बीते मई में भी मध्य प्रदेश स्थित सिवनी में तीन बच्चों ने मिलकर अपने एक 12 वर्षीय दोस्त की हत्या कर दी थी। आए दिन ऐसी खबरों से हमारा सामना होता रहता है, जिसमें कम उम्र के बच्चे या किशोर हिंसक घटनाओं को अंजाम देते दिखते हैं। यह हिंसा केवल ऑफलाइन माध्यमों तक ही सीमित नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने बताया कि उन्हें अगस्त में बच्चों द्वारा अपने साथियों को धमकाने के लिए उनकी यौन छवियां बनाने की पहली शिकायत मिली थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दो से 17 वर्ष की उम्र के एक अरब बच्चे एक ही वर्ष में शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा या उपेक्षा का अनुभव करते हैं।

महात्मा गांधी ने कहा था, अहिंसा ताकतवर लोगों का हथियार है, लेकिन वास्तव में स्कूलों में हिंसा बच्चों में घरों से बाहर अधिकार की भावना पैदा कर रही है। बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति कहां से आती है, उन कारकों पर विचार करना बेहद आवश्यक है। पहला है, सामाजिक वातावरण, यानी जहां बच्चे का पालन-पोषण होता है, वह उनके व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। घर, समाज या मीडिया में हिंसा देखकर उनके व्यवहार में उसी तरह की धारणाएं आकार लेती हैं। दूसरा, बच्चे अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक विषयों या पिछले दर्दनाक अनुभवों के कारण भी हिंसक प्रवृत्ति प्रदर्शित कर सकते हैं। कुछ बच्चे अपने भावनात्मक दर्द को कम करने के तरीके के रूप में भी हिंसा का सहारा लेते हैं। तीसरा, बच्चे अपने साथियों के आक्रामक व्यवहार की नकल करते हैं। शक्तिशाली होने या माने जाने की इच्छा उन्हें हिंसक कार्यों की ओर प्रेरित कर सकती है।

चौथा, कभी-कभी बच्चों की पूरी न हुई जरूरतें भी उन्हें हिंसा की ओर धकेल सकती हैं। पांचवां, प्रौद्योगिकी के विकास के साथ साइबर बुलिंग और हिंसक ऑनलाइन गेमों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है। हिंसक ऑनलाइन गेम छात्रों को हिंसा के रूप में अपनी आक्रामक ऊर्जा को व्यक्त करने का मौका देते हैं। इससे उन पर स्थायी मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है। छठा, बच्चे के जीवन में सकारात्मक रोल मॉडल या सलाहकारों की अनुपस्थिति भी बच्चे को गलत संगति की ओर मोड़कर हिंसक बना सकती है।

बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति विकसित होने से रोकने के लिए सर्वप्रथम माता-पिता, परिवार, शिक्षक और समाज के समर्थन की आवश्यकता है। उनके साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करने, उनमें संस्कारों का पोषण करने, उन्हें संघर्ष समाधान कौशल सिखाने, संचार कौशल विकसित करने, भावनात्मक समर्थन देने और उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर ध्यान देने की बेहद आवश्यकता है, ताकि बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने के स्वस्थ तरीके विकसित करने में मदद मिल सके।

परिवार का किसी बच्चे के व्यवहार पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए परिवार के लोगों के बीच बेहतर संबंध होना चाहिए। साथ ही, शिक्षा और जागरूकता के जरिये बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार किया जाए, जहां उनका सर्वांगीण विकास हो सके। बच्चों को मोबाइल के सही उपयोग के बारे में भी बताया जाए। परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थान ऐसे वातावरण बना सकते हैं, जो स्वस्थ संबंधों, सहानुभूति और प्रभावी संघर्ष समाधान कौशल को बढ़ावा देंगे, जिससे बच्चों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा और ऐसी घटनाओं पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। मदर टेरेसा ने भी कहा था, यदि हमारे पास शांति नहीं है, तो इसका कारण है कि हम भूल गए हैं कि हम सभी एक-दूसरे के लिए बने हैं।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

सर्वाधिक 37014 वोट से सिवनी मालवा तथा सबसे कम1763 वोट से से सोहागपुर भाजपा प्रत्याशी की हुई जीत

नर्मदापुरम जिले में भाजपा ने फिर लहराया परचम, चारों जगह खिला कमल

डॉ. शर्मा को जिला मुख्यालय में ऑटो पर सवार भाजपा और कांग्रेसी भी नहीं हरा सके
लोग कह रहे-बड़े वृक्ष के नीचे छोटे पौधे पनप तो सकते हैं पर बराबरी नहीं कर सकते

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

चुनाव प्रचार के दौरान और मतदान होने के उपरांत हर जगह यही चर्चा थी कि जिले में भाजपा और कांग्रेस में जोरदार टक्कर होगी। बल्कि कुछ जगह तो कांग्रेस की जीत को सुनिश्चित बताया जा रहा था।

जिला मुख्यालय पर तो कांग्रेस और भाजपा से लड़ने वाले दोनों शर्मा बंधुओ को घर बैठाने की तैयारी को लेकर लोगों ने निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे को जिताने की भरसक कोशिश की लेकिन यह कोशिश कामयाब नहीं हो पाई।

कांग्रेस और भाजपा से असंतुष्ट नेताओं ने भगवती चौरे को जिताने के लिए अपनी अपनी पार्टियों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विरोध किया। परंतु लाड़ली बहनों ने आटो को आगे बढ़ने से रोक दिया। लाडली बहनों के समर्थन का यह नजारा केवल जिला मुख्यालय पर ही नहीं वरन् जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र में देखा गया।

होशंगाबाद 137 विधानसभा अन्तर्गत भाजपा से प्रत्याशी डॉक्टर सीताशरण शर्मा 15506 मतों से विजयी हुए। उन्हें कुल 73161 मत प्राप्त हुए। निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चोरे को 57655 और कांग्रेस प्रत्याशी गिरजाशंकर शर्मा को 33639 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी होशंगाबाद आशीष कुमार पांडे ने विजय प्रत्याशी डॉ शर्मा के प्रतिनिधि पीयूष शर्मा को प्रमाण पत्र वितरित किया।

विधानसभा सोहागपुर अन्तर्गत भाजपा से प्रत्याशी विजयपाल सिंह 1762 मतों से विजयी हुए। उन्हे कुल 103379 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज सिंह को 101617 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी सोहागपुर बृजेन्द्र रावत ने विजयपाल सिंह को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र वितरित किया।

विधानसभा पिपरिया अन्तर्गत भाजपा से प्रत्याशी ठाकुर दास नागवंशी 30523 मतों से विजयी हुए। उन्हे कुल 107372 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र बेलवंशी को 76849 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी पिपरिया संतोष कुमार तिवारी ने ठाकुर दास नागवंशी को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र वितरित किया।

सिवनी मालवा विधानसभा से भाजपा के प्रेम शंकर वर्मा की ऐतिहासिक जीत

सिवनी मालवा । विधानसभा 136 में एक बार फिर क्षेत्र की जनता ने भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास जताते हुए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार प्रेम शंकर वर्मा को दूसरी बार विधायक के रूप में चुनकर विधानसभा तक पहुंचने की अहम भूमिका निभाई। इस विधानसभा पर त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा रहा था लेकिन सभी मुकाबले को पार करते हुए विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने अपनी सीट पर ऐतिहासिक मतों की जीत हासिल कर अपना कब्जा बरकरार रखा। नर्मदा पुरम की चारों विधानसभाओं में भाजपा के उम्मीदवारों की जीत रही जिसमें सिवनी मालवा में भाजपा की जीत चारों विधानसभा से ज्यादा मतों से रही। जानकार बताते हैं कि भारतीय जनता पार्टी की जीत में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाई गई लाडली बहना योजना और मोदी के दिल में बसा है एमपी और एमपी के दिल में बसा है मोदी का स्नेह का जादू नर्मदा पुरम सहित पूरे प्रदेश में देखने को मिला।

सिवनी मालवा सीट पर प्रेमशंकर वर्मा ने जिले में सबसे ज्यादा 36,014 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। लगातार भाजपा का गढ़ बनती जा रही सिवनी मालवा विधानसभा सीट पर प्रेमशंकर वर्मा को दूसरी बार विधायक की कुर्सी मिली है। सरल स्वभाव और जनता के बीच अपनी पैंठ रखने वाले प्रेमशंकर को इस बार 1 लाख 3 हजार 882 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी अजय पटेल और कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय लड़े ओम रघुवंशी मिलकर भी भाजपा के बराबर वोट नहीं ला पाए। अजय पटेल को 67 हजार 868 और ओमप्रकाश रघुवंशी को 18,337 वोट मिले। दो के वोट मिलाएं तो 86,205 होते हैं। पहले ही राउंड से सिवनी मालवा विधानसभा मे भाजपा ने जो बढ़त बनाई वह आखिरी राउंड तक भी बढ़ती चली गई। प्रेमशंकर वर्मा पहले चार राउंड तक तो 2 से 7 हजार तक की वोटों के अंतर पर आगे रहे। पांचवे राउंड से शुरू 11 हजार वोटों की बढ़त से जीत की लीड मिलती गई। सबसे ज्यादा अंतर 16वें राउंड में 39 हजार 401 वोट का रहा। 13वे राउंड से आखिरी 20 वे राउंड तक 33 हजार से 39 हजार वोटों के अंतर से प्रेमशंकर वर्मा को बढ़त मिली।

नर्मदा कॉलेज में दिव्यांग दिवस पर विद्यार्थियों का किया उत्साहवर्धन

दिव्यांगता अभिशाप नहीं हम अपना व्यवहार व दृष्टिकोण बदलें : डॉक्टर चौबे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा कॉलेज में रविवार को विश्व दिव्यांग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बास्केटबॉल , बैडमिंटन और व्याख्यान आयोजित किए गए। प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे के मार्गदर्शन तथा डॉ अमिता जोशी के संयोजन में एन.सी.सी. और युवा खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और उत्साह पूर्वक गतिविधियां को संपन्न किया। प्राचार्य डॉक्टर ओ एन चौबे ने दिव्यांग दिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं बल्कि हमें अपने व्यवहार और दृष्टिकोण को बदलना होगा। मुख्य वक्ता डॉ अमिता जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शारीरिक अक्षुण्णता से क्षमताएं कम नहीं होती। हम सभी को दिव्यांग जनों की मदद कर समाज में होने वाले भेदभाव और पूर्वाग्रहों को दूर करना होगा ।जिससे उनकी शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा और सामाजिक अधिकारों को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ सविता गुप्ता ने विशिष्ट वक्तव्य में कहा कि आमतौर पर दिव्यांगों के प्रति लोग दया और हीन भावना रखते हैं। किंतु उनके लिए सही समय पर प्रशिक्षण,मौके और प्रयास किए जाएं तो उन्हें न सिर्फ आत्म निर्भर बनाया जा सकता है अपितु वे समाज में अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। डॉ हंसा व्यास ने कहा कि हमें निस्वार्थ भाव से निशक्तों की सहायता करनी चाहिए। डॉ अंजना यादव ने नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम मेरी क्यूरी, सूरदास, रवीन्द्र जैन आदि उदाहरणों के साथ अपनी बात रखी।श्रीमती स्नेहा दुबे ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन और आभार डॉ सविता गुप्ता ने किया।तत्पश्चात प्राध्यापकों ने डॉ एनीबेसेंट माध्यमिक निःशक्त विद्यालय एवं छात्रावास मालाखेडी जाकर दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई वस्तुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में रेवाराम उईके, निलेश बिदैया, बृजेश धुर्वे, जितेंद्र, सचिन गौरव तथा गंगा अंडेकर, राहुल साहू, देवेंद्र नर्रे ,अंकित सोनम, सोमेश, विवेक, पियूष प्रियांशु, स्तुति सहित एनसीसी कैडेट्स और युवा खिलाड़ी सम्मिलित हुए।

मुख्य वक्ता जोशी ने कहा-शारीरिक अक्षुणता से क्षमताएं कम नहीं होती

भाजपा के असंतुष्टों ने निर्दलीय के ऑटो को धकाया अब किस मुंह से जाएंगे विधायक के सामने

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्यालय से भाजपा से डॉक्टर सीता शरण शर्मा कांग्रेस से उनके बड़े भाई पंडित गिरजा शंकर शर्मा प्रत्याशी बनाए गए थे। भाजपा के असंतुष्ट नेता और कार्यकर्ता चुनाव से पहले डॉक्टर शर्मा का विरोध करने भोपाल पहुंचे थे। लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बेरिंग वापस कर दिया।

असंतुष्ट कार्यकर्ताओं ने मन बना लिया कि अब हम वर्तमान विधायक डॉक्टर शर्मा का विरोध करेंगे

और उन्होंने विरोध भी किया। इधर कांग्रेस के असंतुष्ट नेता और कार्यकर्ताओं के मन में भी पंडित गिरजा शंकर शर्मा को प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर शुरू से ही विरोध दिखाई दे रहा था। इटारसी और होशंगाबाद कांग्रेस के दिग्गज नेता कार्यकर्ता उनके चुनाव प्रचार में नदारद रहे। इन दोनों दलों के असंतुष्ट कार्यकर्ताओं ने निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे को समर्थन देने का मन बना लिया और उन्हें समर्थन देकर मतगणना में द्वितीय स्थान पर ला दिया लेकिन वह निर्दलीय प्रत्याशी को जिता नहीं सके। भाजपा के जिन कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी का खुलकर विरोध किया अब वह किस मुंह से भाजपा विधायक के सामने खड़े होंगे? जिन भू माफिया ने निर्दलीय प्रत्याशी के चुनाव में पैसा खर्च किया अब उनका क्या होगा? इसी तरह कांग्रेस प्रत्याशी के विरोध में जिन कांग्रेसियों ने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से विरोध किया और ऑटो में धक्का लगाया वह भी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की नजर में है। इस प्रकार की गतिविधियों से दोनों पार्टी के असंतुष्ट और दोगले कार्यकर्ताओं को आगे से दोनों पार्टी ध्यान में रखेगी। इसमें कोई शक नहीं।

मंडीदीप में तालाब में डूबने से चार नाबालिग बच्चों की मौत

3 बच्चों के शव मिले, एक को ढूढ़ने में जुटे गोताखोर

रायसेन, दोपहर मेट्रो

रायसेन जिले के मंडीदीप के पास सतलापुर में रविवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां खेत में बने एक तालाब में नहाने उतरे चार नाबालिग बच्चे डूब गए। खेत से मिट्टी निकालने से बने गड्ढे में वर्षा का पानी जमा था, नहाते समय चार नाबालिगों की डूबने से मौत हो गई। तीन शव निकाले जा चुके हैं। चौथे की गोताखोर तलाश कर रहे हैं। चारो मृतक सतलापुर के निवासी थे और आपस मे दोस्त भी

थे। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ गई। घटना की खबर मिलते ही प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंच गया था।

औबेदुल्लागंज एसडीओपी विकास पांडे ने बताया कि थाना सतलापुर क्षेत्र में वार्ड नंबर 16 निवासी चार नाबालिक बालक हैं। इनमें चिराग पिता सुनील की उम्र 11 साल, आदर्श पिता बबलू बमोरिया उम्र 8 साल, जिज्ञासु पिता बबलू उम्र 14 और रिजवान पिता इमरान उम्र 11 साल पानी में उतरे थे। इनमें से तीन बच्चों के कपड़े मोजामपुरा तालाब के पास मिले हैं। तीन बच्चों के शव निकाल लिए गए गए हैं। एक की तलाश की जा रही है।

मेट्रो एंकर ग्रामीण क्षेत्रों में हिरणों की संख्या इतनी ज्यादा कि किसानों को फसल बचाना मुश्किल

किसानों के लिए सिरदर्द बना हिरणों का झुंड, फसलों को पहुंचा रहे नुकसान, 24 घंटे करते हैं खेतों की रखवाली

आष्टा , दोपहर मेट्रो

अब खेतों में फसल लहलहाते नजर आ रही है। इन फसलों को इन दिनों हिरणों के झुंड फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। जिसके कारण क्षेत्र के किसान इन हिरणों के कारण परेशान होता हुआ नजर आ रहा है। नगर से लगे तालाब किनारे, कजलास रोड, भाटीखेड़ा मार्ग, मंडी रोड, सेकुखेडा व अन्य स्थानों पर स्थित खेतों में पहुंचकर हिरण व बंदर फसल को चौपट करने में लगे है। इस परेशानी के कारण किसानों कों 24 घंटे खेत पर रहकर फसल की रखवाली करनी पड़ रही है।

यह हिरणों के झुंड खेतों में पहुंचकर फसल को तहस-नहस कर चौपट कर देते है। वैसे ही किसान खाद न मिलने के कारण परेशान है और वहीं हिरणों के झुंड ने किसानों की समस्या को और अधिक बढ़ा दिया है। किसान अनारसिंह ने बताया कि हमारे खेत पर फसल को नुकसान पहुंचाने सुबह-सुबह कई हिरण पहुंच जाते हैं जिन्हें हमे कई दूर तक भगाकर आना पड़ता है।

रात में भी खेत में पहुंच रहे हिरण

किसानों का कहना है कि हिरण के झुंड रात के अंधेरे में खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचाते है। हम किसानों को 24 घंटे खेत पर रहकर फसल की रखवाली करना पड़ती है। बता दे कि इन दिनों खेतों में रबी सीजन की फसल लहलहाने लगी है और इस फसल को हिरणों के झुंड खराब कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हिरणों की संख्या इतनी ज्यादा है कि किसानों को फसल बचाना भी मुश्किल हो जाता है।

जनता जनार्दन, कार्यकर्ताओं व पार्टी नेतृत्व को समर्पित, उमाकांत शर्मा

भाजपा के उमाकांत शर्मा ने रचा इतिहास, 27774 वोटो से जीते चुनाव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने भाजपा के लिए बड़े जीत का तोहफा देते हुए सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र 147 से नया इतिहास भी रचा है इतनी लंबे वोटों से एक बार फिर चुनाव जीतकर इस बात को साबित कर दिया है कि जनता जनार्दन उन से पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की तरह ही प्रेम करती है। उसी का परिणाम है कि 27682 वोटो की जीत बीजेपी को मिली है और भाजपा अपना घर बचाने में भी कायम रही कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी को चारों खाने चित भी कर दिया।

आतिशबाजी के बाद पुलिस भी बाजार में हुई सक्रिय

सिरोंज। प्रदेश में भाजपा की सरकार और सिरोंज में भी भाजपा की जीत होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर जमकर पटाखे फोड़ कर आतिशबाजी की जा रही थी इसके बाद पुलिस प्रशासन भी हरकत में दिखी सुरक्षा को लेकर सक्रिय हो गई । मुख्य बाजार सहित शहर के मुख्य चौक चौराहों पर पुलिस कर्मी मौजूद राय साथ ही गाड़ी लगातार शहर का भ्रमण भी करती हुई नजर आई क्योंकि जीत में अति उत्साह के हालात भी कई बार निर्मित हो जाते हैं। उससे निपटने के लिए पुलिस शहर में सक्रिय दिखाई दी इसके अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरों पर जहां खुशी थी दूसरी और कांग्रेसी कार्यकर्ता चेहरे मुरझाए हुए थे । इसके साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ता बाजार से नदारत नजर आए।

भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को 97995 वोट प्राप्त हुए जिसमें 322 डाक मत पत्र भी है एक तरफ बताया जा रहा था कि कर्मचारी भाजपा का विरोध कर रहे हैं पर कर्मचारियों ने भी भाजपा प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी को 70313 मत प्राप्त हुए जिसमें 57 मत कर्मचारियों के डाक-मत पत्र के रूप में मिले हैं। दूसरी ओर अन्य उम्मीदवारों को जनता ने सिरे से खारिज कर दिया बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार तोषमणि पंथी को मंत्र 1424 मत प्राप्त हुए, आम आदमी पार्टी प्रत्याशी इसम सिंह मौर्य को 1799 मत प्राप्त हुए दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी असलम गौरी को केवल 173 मध्य प्राप्त हुए हैं, आजाद समाज पार्टी उम्मीदवार गब्बर सिंह अहिरवार को 2234 मत ही प्राप्त हुए हैं, कप्तान सिंह को 330 मत, पूरन सिंह को 184, फूल सिंह को 249, मनोज को 395, लक्ष्मी नारायण को 360, संदीप अहिरवार को 802 हेमंत कुशवाह को 837 नोटा को 1136 मत प्राप्त हुए हैं जबकि समाजवादी पार्टी का वार्ड क्रमांक 20 से पार्षद है उस वार्ड से भी समाजवादी पार्टी को मतदाताओं ने इनको नकार दिया यहां से भी इनको करारी हार का सामना करना पड़ा दूसरी ओर मतगणना स्थल पर भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में पहुंचे इसके बाद इन्होंने जनता जनार्दन का उत्साह वर्धन भी मतगणना स्तर पर किया।

दिल को छूने वाली तस्वीर आई सामने

मतगणना प्रारंभ होने से पहले जो तस्वीर आई है वह दिल को छूने वाली थी भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा आगे बढ़कर कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी मुस्कुराते हुए चर्चा की वही श्री रघुवंशी ने भी इसे मुस्कुराते हुए बात की ने एक दूसरे से चर्चा करने इस तस्वीर से यह लगता है कि हमें आपस में किसी भी तरह का बैर नहीं रखना नहीं चाहिए जब तक चुनाव होते हैं तब तक प्रत्याशियों को विचारधारा को लेकर लड़ाई लड़नी चाहिए सामाजिक जीवन में एक दूसरे के प्रति किसी भी तरह का बेर भाव नहीं रखना चाहिए इस तरह का भाव इस तस्वीर में देखने को मिला।

विवेकानंद जी के वेश में पहुंचे उमंकात शर्मा

मतगणना स्थल पर भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा स्वामी विवेकानंद जी की वेशभूषा धारण करके पहुंचे इसके बाद सब की निगाहें की तरफ थी।

जीत मतदाताओं को की समर्पित

वहीं उन्होंने जीत का प्रमाण पत्र लेते हुए प्रेक्षक जिला प्रशासन विधानसभा निर्वाचन अधिकारी का भी आभार जताया हुए कहा कि निष्पक्ष रूप से चुनाव संपन्न कराया साथ ही उन्होंने जनता जनार्दन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कहा कि मेरी विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन वरिष्ठ नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को जीत समर्पित करता हूं हम सब मिलकर सिरोंज लटेरी क्षेत्र को स्वर्णिम बनाएंगे मेरे लिए सिरोंज, लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन को मेने और मेरे भाई पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने हमेशा भगवान मन कर ही सेवा की है। क्षेत्र की जनता जनार्दन की सेवा की आगे भी इसी भाव से सेवा करता रहूंगा यह जीत भी मेरे क्षेत्र के एक-एक कार्यकर्ता एक-एक मतदाता की है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,गृहमंत्री अमित शाह ,मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अभिजीत का श्रेय देते उन्होंने सभी आभार व्यक्त किया।

12 बजे से होने लगी थी आतिशबाजी

मतगणना के बाद जैसे ही चार राउंड हुए तो भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को अच्छी लीड प्राप्त हो गई थी तो इनके समर्थकों ने शहर में विभिन्न स्थानों पर आतिशबाजी प्रारंभ कर दी थी दोपहर के बाद जीत का जश्न भी प्रारंभ हो गया था एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई देने का दौर भी चला रहा उमाकांत शर्मा के घर पर भी कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। इसी तरह कुरवाई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार हरि सिंह सप्रे की जीत होने पर भाजपा कार्यकर्ता कमल रघुवंशी के साथ इनके समर्थकों ने आतिशबाजी मिठाई का वितरण करके जीत का जश्न मनाया।

एक सप्ताह से मौसम खराब होने से किसानों को नहीं मिल रही बिजली, वसूली का खेल जोरों पर जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
पिछले एक सप्ताह से मौसम खराब होने के कारण जहां किसानों को बिजली के लिए परेशान किया जा रहा है। मौसम जिस तरह से परिवर्तित हुआ था उसको देखते हुए किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद थी पर हल्की बारिश ही दर्ज हुई है जो किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है इस वजह से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की आवश्यकता पड़ रही है। दूसरी और मौसम खराब होने का बहाना करके बिजली सप्लाई नहीं दी जा रही है। आसमान पर बादलों का डेरा होने की वजह से सर्दी भी गायब हो गई है , सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हो रहे हैं सुबह की शुरुआत गाने कोहरे से होती है। लगातार मौसम खराब होने से बिजली वितरण कंपनी के द्वारा जरुर किसानों को सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जब किसान बिजली नहीं आने का कारण पूछते हैं तो लाइनों में फाइट होने का बहाना करके किसानों को चला कर देते हैं।

इस कारण से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिल पा रही है वैसे ही इस वर्ष पानी कम गिरने के कारण किसानों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ा रहा हैं । सीजन में इस तरह से बिजली सप्लाई को निरंतर बाधित करके बिजली वितरण कंपनी के द्वारा भी किसानों की समस्याओं को कम करने की जगह पर बढ़ाने का काम किया जा रहा है। एक तरफ भारी भरमक बिजली के बिल देकर राशि वसूलने का काम भी बिजली वितरण कंपनी के द्वारा किया जाता है। जब बिजली देने की बात आती है तो इस तरह से किसानों को परेशान किया जाता है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों को किसने की समस्याओं से को लेना देना ना हो तभी तो उनकी शिकायतों को दर्दनाक करके एक सप्ताह से बिजली की सप्लाई को सुचारू रूप से प्रारंभ नहीं करवाया जा रहा है,इस कारण से किसानों में बिजली वितरण कंपनी के खिलाफ आक्रोश भी पनप रहा है । इसके अलावा बिजली ट्रांसफार्मर जल जाने के बदले में किसानों को परेशान किया जाता है। फिर दलालों के द्वारा किसानों से ट्रांसफार्मर बदलवाने के बदले में राशि की मांग की जाती है इनमें कई प्राइवेट तौर पर काम करने वाले लाइनमैन होते हैं जिनका यही काम होता है कि किसानों को कई तरह के भूत बात कर गुमराह किया जाता है फिर राशि की मांग करके ट्रांसफार्मर बदलवा दिया जाता है, इसमें निजी ट्रांसफार्मर से लेकर अटल ज्योति योजना के ट्रांसफार्मर से भी राशि वसूलने का काम हो रहा है। साथ ही अटल ज्योति योजना के ट्रांसफार्मर से भी किसानों को सप्लाई देने का काम किया जाता है इस वजह से कई किसानों को थ्री फेस सप्लाई नहीं मिल पा रही है ।जबकि इनसे थ्री फेस का कनेक्शन देखकर बिल लिया जाता है , फिर इस तरह से किसानों को क्यों परेशान किया जा रहा है। कई बार किसान बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों के से गांव में अटल ज्योति योजना के तहत बिजली नहीं आने की शिकायत कर चुके हैं पर ट्रांसफार्मर नहीं बदले जा रहा है लाइन को भी ठीक नहीं किया जा रहा है इस तरह की शिकायत है प्रतिदिन बिजली विभाग के कार्यालय में किसान करने पहुंचते हैं पर उनको चार बातें सुनकर चला कर दिया जाता है ।लाइनों खराबी आने पर उनको ठीक करने में भी कई दिन व्यतीत करके सप्लाई को प्रारंभ नहीं किया जाता है। इस समय किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की आवश्यकता हो रही है पर एक सप्ताह से मौसम में बदलाव होने के कारण आसमान पर बादल छाए हुए हैं और इसके पीछे किसानों को बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी कर्मचारी लाइनों में फाइट बात कर सप्लाई को नियमित रूप से प्रारंभ नहीं कर रहा है। जब बिजली वितरण कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों से बात करने की कोशिश की तो उनका कहना था कि हमारे द्वारा लगातार सप्लाई दी जा रही है कहीं-कहीं पर फाइट हो जाता है तो उसको ठीक करने का काम भी किया जाता है, ट्रांसफार्मर बदलने का काम किया जा रहा है ।दूसरी ओर किसान देवेंद्र रघुवंशी ने बताया कि जब से मौसम खराब हुआ है तब से हम किसानों को सप्लाई नहीं मिल रही है शिकायत करते हैं तो बताया जाता है की लाइनों में फाइट हो गया है। इस वजह से सप्लाई बाधित हो रहे हैं। वही मनमानी करने वाले बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी, कर्मचारियों पर लगाम लगाने के लिए जनप्रतिनिधियों से लेकर जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारियों को ध्यान देकर किसानों की परेशानी को दूर करवाना चाहिए जिससे कि किसानों को सीजन में बिजली की समस्या का सामना न करना पड़े।

प्राइवेट स्कूल संचालकों की मनमानी जारी, अपनी पसंद की दुकानों से ही दिलवाया जा रहे हैं गर्म कपड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
शहर में विकासखंड के अधिकारियों की अनदेखी के चलते अभी भी अधिकांश प्राइवेट स्कूल संचालक की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। अपने हिसाब से ही स्कूलों का संचालन हो रहा है साथ ही कॉपी किताबों से लेकर इन दिनों सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़ों के लिए भी अधिकांश प्राइवेट स्कूल संचालकों के द्वारा अपने द्वारा तय की गई दुकानों से ही गर्म कपड़े खरीदने के लिए पलकों को बाधित किया जा रहा है। वहीं से कपड़े उपलब्ध करवाया जा रहे हैं इससे ऐसा लगता है कि कहीं स्कूल संचालकों के द्वारा ही तो इन दुकानों पर गर्म कपड़े रखवाने का काम तो नहीं किया है। तभी तो बाजार में अन्य स्थानों पर कपड़े नहीं मिल रहे हैं जिन दुकानों को निश्चित किया गया है वहां पर महंगे दामों पर कपड़े बच्चों के पलकों पलकों को मिल रहे हैं । क्वालिटी भी अच्छी नहीं है पर मजबूरी में इन दुकानों से कपड़े खरीदने पड़ रहे हैं। विरोध करने पर पलक गाणो की बात को स्कूल संचालकों के द्वारा खारिज कर दिया जाता है। शिक्षा विभाग के जिम्मेदारी भी पालकों की शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है ।

इस वजह से प्राइवेट स्कूल संचालकों की मनमानी चल रही है। अब देखना है कि इनकी मनमानी पर रोक लगाने के लिए शिक्षा विभाग के जिम्मेदारी कोई कदम उठाएंगे या नहीं।

मेट्रो एंकर — लटेरी में बैठकर इंजीनियर कर रहे हैं खानापूर्ति

शिकायत के बाद भी घटिया काम को एसडीएम ने नहीं रुकवाया!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
नगर पालिका प्रशासन के इंजीनियरों और सीएमओ की अनदेखी के कारण अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा घटिया काम को अंजाम देकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। सी सी सड़क डालने के नाम पर लीपापोती की जा रही है ।इसी तरह का एक मामला वार्ड नंबर 10 में सामने आया शिकायत एसडीएम ने नगर पालिका इंजीनियर को जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए तो एसडीएम के निर्देश पर जांच करने के लिए पहुंचे नगर पालिका इंजीनियर ने पाया कि ठेकेदार के द्वारा बगैर लेआउट के घटिया निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा था सड़क बनाने में चूरी का उपयोग भी किया जा रहा था। इसके अलावा ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य अपने हिसाब से गुणवत्ता विहीन कार्य करके खाना पूर्ति की जा रही थी। जिसकी रिपोर्ट एसडीएम को दी तो एसडीएम ने तत्काल निर्माण कार्य को रुकवाया ओर गुणवत्तापूर्ण के साथ निर्माण कार्य लेआउट के बाद करने के निर्देश दिए तब जाकर घटिया काम पर रोक लगा पाई नहीं तो ठेकेदार के द्वारा अपने हिसाब से सड़क को बनाने का काम किया जा रहा था। घटिया मटेरियल से बनने वाली अधिकांश सड़क चंद दिनों के बाद गढ़ों में तब्दील होने लगती है शहर में इस तरह के हालात जगह-जगह निर्मित हो रहे हैं ।आगे पाठ पीछे सपट की स्थिति काम हो रहा है। क्योंकि लटेरी क्षेत्र की इंजीनियर को निर्माण कार्य की जांच व देखने के लिए समय नहीं है , ठेकेदार उनके पास एमबी लेकर पहुंच जाते हैं उसी के हिसाब से यह भुगतान ठेकेदारों को करवा देते हैं इस कारण घटिया निर्माण नगर में हो रहा है।

इनका कहना है

शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल हमने नगरपालिका इंजीनियर को भेज कर जांच करवाई तो पाया की गुणवत्ता के हिसाब से काम नहीं हो रहा था ठेकेदार ने पकड़ लेआउट के ही काम प्रारंभ कर दिया था।अभी हमने काम को रूकवा दिया है, गुणवत्ता के साथ ही सड़क का निर्माण करवाया जाएगा।

हर्षल चौधरी, *एसडीएम*

नेहरू महिला हॉकी टूर्नामेंट

सोनीपत की टीम डेथ टाईब्रेक की बदौलत 2-1 से जीती

सोनीपत, एजेंसी

रवीना ने नई दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में एसएनबीपी द्वितीय नेहरू महिला हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हॉकी ओडिशा के खिलाफ अचानक डेथ टाई-ब्रेक के माध्यम से 2-1 की जीत में भारतीय खेल प्राधिकरण, सोनीपत के लिए दो गोल किए। निर्धारित अवधि में टीमें गोलरहित बराबरी पर रहीं। सोनीपत की टीम के लिए टाईब्रेक में अकेले रवीना पांच में से एक को गोल में बदलने में सफल रही। जीवन किशोरी ने ओडिशा टीम के लिए बदलाव किया था। दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) ने एसएआई, भोपाल को 5-0 से हराया। जीवन और विजय सेमीफाइनल हार गए स्पेन के मसपालोमास में 73,000 चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के युगल सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत को ब्रिटेन के स्कॉट डंकन और मार्कस विलिस ने 6-2, 6-7 (2), [11-9] से हरा दिया। जीवन और विजय ने 30 एटीपी अंक और ,480 एकत्र किए। फ्यूच फ़ायदेमंद रेथिन प्रणव ने नई दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में आई डिटॉक्स जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के फ़ाइनल में जापान के हिरोमासा कोयामा को 6-3, 6-3 से हराया और फ्लोफ़्लो ऑल-राउंड गेम खेला। मजबूत और उद्देश्यपूर्ण प्रदर्शन करते हुए, 16 वर्षीय रेथिन ने जापानियों को अपनी काउंटर-पंचिंग शैली को क्रियान्वित करने के लिए बहुत कम जगह दी।

जापानी खिलाड़ी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रिश त्यागी सहित कई गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों को हराया था, लेकिन इस दिन रेथिन की बराबरी करने में असमर्थ रहे। रेथिन के लिए इस सीज़न का तीसरा और उनके करियर का चौथा एकल ओपन खिताब था। लड़कियों के वर्ग में, कैलिफोर्निया की आइशी बिष्ट ने 7-5, 7-5 से जीत दर्ज करके लक्ष्मीसिरी दांडू को कड़ी टक्कर दी।

8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा, दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमों के बीच सेमीफाइनल होगा

यूएई में जूनियर एशिया कप 8 दिसंबर से खेला जाएगा

मुंबई, एजेंसी

जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम का ऐलान पहले ही कर दिया गया था। जूनियर सिलेक्शन कमेटी ने उदय सहारन को कप्तान चुना गया है। टूर्नामेंट 8 दिसंबर से यूएई में खेला जाएगा। भारतीय दल में 15 चयनित खिलाड़ियों के अलावा, 3 स्टैंडबाय प्लेयर्स को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, 4 एक्स्ट्रा रिजर्व प्लेयर्स भी हैं। रिजर्व खिलाड़ी टीम के साथ यूएई नहीं जाएंगे। एशिया कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट 50 ओवर फॉर्मेट में होगा। इस बार खिताबी जंग में जापान पहली बार उतरेगा। 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। गत चैंपियन भारत टूर्नामेंट में सबसे सफल टीम है जिसने आठ बार ट्रॉफी जीती है।

एशिया कप के लिए भारत का अंडर-19 स्क्वाड

स्वाड- अर्शिन कुलकर्णी (महाराष्ट्र), आदर्श सिंह (उत्तर प्रदेश), रूद्र मयूर पटेल (गुजरात), सचिन दास (महाराष्ट्र), प्रियांशु मोलिया(बड़ौदा), मुशीर खान (मुंबई), उदय सहारन (कप्तान) (पंजाब), अरवेल्ली अवनीश राव (हैदराबाद), सौम्य कुमार पांडे (वीसी) (मध्य प्रदेश), मुरुगन अभिषेक (हैदराबाद) इन्नेश महाजन (ड्ढच्)(हिमाचल प्रदेश) , धनुष गौड़ा (कर्नाटक) , आराध्या शुक्ला (पंजाब), राज लिम्बनी (बड़ौदा) और नमन तिवारी (उत्तर प्रदेश) **स्टैंडबाय खिलाड़ी**- प्रेम देवकर (मुंबई), अंश गोसाईं (सौराष्ट्र) और मो. अमान (उत्तर प्रदेश)
रिजर्व खिलाड़ी- दिग्विजय पाटिल, जयंत गोयत, पी विग्नेश और किरण चोरमले।

उदय सहारन कप्तान, सौम्य वाइस कैप्टन

पंजाब के उदय सहारन को टीम की कप्तानी सौपी गई है। वहीं, मध्यप्रदेश के सौम्य पांडे टीम के उपकप्तान रहेंगे। चयन समिती ने देशभर से टैलेंट चुने है। इसमें से महाराष्ट्र से दो और हैदराबाद से दो खिलाड़ी हैं। दूसरे राज्यों से एक-एक खिलाड़ी शामिल है।

8 दिसंबर से अंडर-19 एशिया कप

एशिया कप 8 दिसंबर को शुरू होगा, जिसमें भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा और फाइनल 17 दिसंबर को खेला जाएगा। भारत 10 दिसंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा और फिर 12 दिसंबर को नेपाल से भिड़ेगा।

भारत डिफेंडिंग चैंपियन

आखिरी बार टूर्नामेंट 2021 में खेला गया था। इसमें फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को हरा कर ट्रॉफी जीती थी। पिछली बार भी 8 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन इस बार कुवैत की जगह जापान ने क्वालिफाई किया है।

वनडे में दूसरा सबसे बढ़ा रन चेज: वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में जीत के साथ की शुरुआत

एंटीगुआ, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में कप्तान साई होप की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत जीत के साथ शुरुआत की है। कैरेबियन टीम ने एंटीगुआ में खेले गए पहले मुकाबले में ब्रिटिश टीम को 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की ब?त बना ली है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 325 रन बनाए। 326 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कैरेबियन टीम ने 7 बॉल शेष रहते हुए 6 विकेट के नुकसान पर बना लिए और मैच को 4 विकेट से अपने नाम कर लिया। यह वेस्ट इंडीज का उनके इतिहास में दूसरा सबसे सफल पुरुष वनडे रन चेज भी था। इससे पहले कैरेबियन टीम ने 2019 में मालाहाइड में आयरलैंड के खिलाफ चेज करते हुए 5 विकेट पर 331 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने पावर प्ले में बनाए 78 रन इंग्लैंड के ओपनर फिल साल्ट और विल जैक्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर 5.4 ओवर में 50 रन बना लिए। इंग्लैंड को पहला झटका 8.2 ओवर में गुडाकेश मोती ने साल्ट को कैच आउट करा कर दिया। उस समय टीम का स्कोर 77 रन था। साल्ट 28 गेंदों पर 45 रन बनाए। वहीं इंग्लैंड को दूसरा झटका अल्जारी जोसेफ ने दिया।

इंग्लैंड ने 10 से 40 ओवर में 4 विकेट गवांए

इंग्लैंड ने 10 से 40 ओवर में 158 रन बनाने के साथ ही 4 विकेट गवांए। जबकि 40 से 50 ओवर के बीच 4 विकेट केवल 89 रन के अंदर गवां दिए। इंग्लैंड का तीसरा विकेट 110 रन पर गिरा। वहीं चौथे विकेट के लिए जैक क्राउली और हैरी ब्रूक ने 54 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड का पांचवां विकेट 191 रन पर गिरा। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 71 रन हैरी ब्रूक ने बनाए। वहीं जैक क्राउली इंग्लैंड के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 63 गेंदों पर 48 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती,ओशेन थॉमस और रोमारियो शेफर्ड ने 2-2 विकेट लिए। जबकि अल्जारी जोसेफ और यानिक कैरियो ने 1-1 विकेट लिए।

एमएस धोनी के चहेते से सूर्यकुमार यादव ने पिलवाया पानी

शिवम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को तरसे

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। जिसका आखिरी और 5वां मैच रविवार को बेंगलुरु में खेला गया। टीम इंडिया ने सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। इस सीरीज में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया। जिसमें कुछ प्लेइंग 11 का हिस्सा बने, तो कुछ खेलने के लिए तरस गए। इस सीरीज में शिवम दुबे को स्क्वॉड में शामिल किया गया, लेकिन उन्होंने किसी भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। वे पांचों में मुकाबलों में बेंच पर बैठे रहे। शिवम आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। उनके अलावा सभी खिलाड़ियों को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया।

आईपीएल में शिवम के हैं कई रिकॉर्ड: शिवम दुबे ने आईपीएल 2023 में अच्छा खेल दिखाया था। उन्होंने 16 मैचों में 411 रन बनाए। उन्होंने 3 अर्धशतक लगाए थे। वहीं, शिवम अब तक 51 आईपीएल मैच खेल चुके हैं। जिसमें 1106 रन और 6 अर्धशतक जड़े हैं। उन्होंने 48 चौके और 73 छक्के लगाए हैं। शिवम दुबे ने 18 टी20 इंटरनेशनल मैच में 152 रन बनाए हैं। एमएस धोनी के चहेते से सूर्यकुमार यादव ने पिलवाया पानी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को तरस गया ये खिलाड़ीएमएस धोनी के चहेते से सूर्यकुमार यादव ने पिलवाया पानी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को तरस गया ये खिलाड़ी

20 इंटरनेशनल में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड: दोनों टीमों के बीच 30 मैच खेले जा चुके है। जिसमें भारत का पलड़ा भारी रहा है। टीम इंडिया ने 18 और ऑस्ट्रेलिया ने 11 मैचों में जीत हासिल की है। एक मुकाबला बेनतीजा रहा।

मेट्रो बाजार

एक लाख करोड़ का मार्केट कैप टाटा ग्रुप की 5वीं कंपनी बनी ट्रेंट

मुंबई, एजेंसी

देश की टॉप 10 वैल्यूड फर्म्स में से 9 का मार्केट वैल्यूएशन 1,30,391.96 करोड़ रुपए बढ़ गया। इसमें भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे बड़े गेनर्स रहें। टॉप 10 में से केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज रही जिसका मार्केट वैल्यूएशन नहीं बढ़ा। ट्रेंट लिमिटेड 1 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली टाटा ग्रुप की 5वीं कंपनी बन गई है। ट्रेंट के शेयर शुक्रवार के कारोबार के दौरान 2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2,840 रुपए के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए। इसी के साथ इसका मार्केट कैप 1,00,958 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में शेयरों में थोड़ी गिरावट आई और ये 1.27 फीसदी ऊपर 2,822.40 रुपए पर बंद हुए। भारती एयरटेल का वैल्यूएशन 23,746.04 करोड़ बढ़कर 5,70,466.88 करोड़ हो गया। का मार्केट कैप 19,027.07 करोड़ बढ़कर 12,84,180.67 करोड़ पर पहुंच गया। वहीं मार्केट कैप बढ़ने के मामले में तीसरे नंबर पर एचडीएफसी बैंक रहा जिसका मार्केट कैप 17,881.88 करोड़ बढ़ा। इस बढ़ोतरी के साथ उसका मार्केट वैल्यूएशन 11,80, 588 करोड़ हो गया। वहीं टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे वैल्यूएबल फर्म का खिताब बरकरार रखा। इसके बाद इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस रहे। पिछले हफ्ते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 1,511.15 अंक या 2.29 फीसदी उछला। ये 67,481 के लेवल पर बंद हुआ। ये 67,927 के ऑल टाइम हाई से अब केवल 446 अंक नीचे हैं। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 20,272.75 के स्तर को छुआ। ट्रेंट ने 2023 में 109 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले 12 महीने का गेन 92 फीसदी है। ट्रेंडलाइन के अनुसार, ट्रेंट अपने 50-डे और 200-डे सिंपल मूविंग एवरेजेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। पिछले चार कारोबारी सत्रों से काउंटर अनबीटन रहा है।

इन्फ्रा पर 7 लाख करोड़ खर्च करेगा अडाणी ग्रुप

नईदिल्ली, एजेंसी

अडाणी ग्रुप अगले 10 साल में 84 अरब डॉलर यानी करीब 7 लाख करोड़ इन्फ्रास्ट्रचर प्रोजेक्ट्स पर खर्च करेगा। ग्रुप के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर जुगेशिंदर सिंह ने इस बात की जानकारी दी है। सिंह ने बताया, हम 20 लाख करोड़ तक इन्वेस्ट करने की क्षमता रखते हैं, लेकिन अच्छे वेंडर्स की कमी के चलते इतना बड़ा निवेश करने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि हम जैसे-जैसे अपने वेंडर्स की संख्या बढ़ाएंगे, हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर भी बढ़ेगा। अगर हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बेहतर परफॉर्म करते हैं, तो अगले 25 साल में हम 80 लाख करोड़ तक खर्च करने में सक्षम हो जाएंगे। अडाणी ग्रुप की 6 कंपनियां अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पोर्ट्स एंड सेज, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी पावर और दो अनलिस्टेड कंपनियां- अडाणी एयरपोर्ट्स और अडाणी रोड्स जल्द ही ग्लोबल और डोमेस्टिक मार्केट में बड़े इन्वेस्टमेंट की प्लानिंग कर रही हैं। इसके लिए ये कंपनियां बॉन्ड जारी कर मार्केट से फंड उठाएंगीं। कंपनियां टोटल फंड का 80 फीसदी फॉरेन मार्केट से और 20 फीसदी डोमेस्टिक मार्केट से रेज करेंगीं। इसी साल 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि इनमें बाद में रिकवरी हुई।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'रामायण' में आलिया को ऑफर हुआ था 'सीता' का रोल

फिल्म 'रामायण' में में सीता का रोल साउथ की नामी एक्ट्रेस साई पल्लवी को लिया गया है। वैसे तो मेकर्स ने सीता का रोल पहले आलिया भट्ट को ऑफर किया था। मगर नए साल में आलिया भट्ट की प्रायर कमिटमेंट संजय लीला भंसाली की बैजू बावरा को लेकर है। दोनों की तारीखें क्लैश कर रहीं हैं। ऐसे में मेकर्स ने साउथ की बड़ी एक्ट्रेस को कास्ट करना पड़ा। आखिरकार साई पल्लवी को कास्ट किया गया। रावण के लिए बेशक केजीएफ के रॉकी भाई फेम यश के साथ ही मेकर्स आगे बढ़ रहे हैं। हनुमान के लिए सनी देओल को लिया गया है। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' रिलीज होने के बाद से ही सुर्खियों में है। ट्रेड जानकारों और बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के मुताबिक यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। इसी बीच रणबीर कपूर की एक और बड़े बजट की फिल्म आने वाली है। दरअसल वो नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने वाले हैं। इतना ही नहीं इसके एक पार्ट की शूटिंग मुंबई में शुरू भी हो चुकी है।

फिल्म की शूटिंग शुरू

लीड स्टार्स की शूटिंग मार्च से शुरू की जाएगी। इस फिल्म के लिए हॉलीवुड के ऑस्कर विनर टेक्निकल क्रू के साथ कोलैबोरेशन किया गया है।' पिछले 20 दिनों से इसकी शूटिंग जारी है। अभी यह आगे डेढ़ महीने और चलने वाली है। फिल्म की शूटिंग लगभग सवा दो महीने तक चलेगी। फिल्म में लीड एक्टर्स के साथ जो शूटिंग होगी उसकी शुरुआत नए साल में होगा। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और केजीएफ एक्टर फेम यश मार्च महीने से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

भूल भुलैया 3: कार्तिक के अलावा सभी स्टार की कास्टिंग बाकी

भूल भुलैया 3 में रूह बाबा का रोल कार्तिक आर्यन ही निभाएंगे। यह बात अब पूरी तरह से कंफर्म हो गई है। हालांकि बाकी स्टारकास्ट से जुड़ी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। अटकलें यह भी हैं कि फिल्म में तब्बू डबल रोल में काम नहीं करना चाहती हैं। वहीं फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक फिल्म के लिए सिर्फ कार्तिक आर्यन को फाइनल किया गया है। एक सूत्र ने मीडिया एजेंसी को बताया है कि अटकलों के बीच फिल्म में कार्तिक के रोल को फाइनल कर दिया गया है। वहीं किसी दूसरे स्टारकास्ट को फिल्म में लिए अभी फाइनल किया जाना बाकी है। अभी तक मेकर्स ने इसके लिए किसी को अप्रोच भी नहीं किया। बाकी स्टारकास्ट का नाम स्क्रिप्ट फाइनल होने जाने के बाद लॉक किया जाएगा।

'द डर्टी पिक्चर' को लेकर *इमरान हाशमी* बोले- फिल्म की कहानी अपने समय से काफी आगे थी

'द डर्टी पिक्चर' फिल्म को 12 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म 2012 की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इमरान हाशमी ने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, 2012 में द डर्टी पिक्चर जैसी फिल्म बनाना एक साहसी डिसिजन था। इस फिल्म की कहानी अपने समय से बहुत आगे थी। यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं गर्व महसूस करता हूं कि उस दौरान इस फिल्म का हिस्सा बना। इमरान ने फिल्म में निभाए गए अपने किरदार के बारे में भी बताया कि वह किरदार उनके लिए हमेशा स्पेशल रहेगा। इस मौके पर डायरेक्टर मिलन लुथरिया ने फिल्म के दौरान हुई परेशानियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म की कास्टिंग को लेकर भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। एक वक्त में तो उन्हें ऐसा लगने लगा था कि शायद फिल्म बन ही ना पाए। इसके अलावा इमरान हाशमी ने भी अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, द डर्टी पिक्चर फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मैं गर्व महसूस करता हूं कि उस दौरान इस फिल्म का हिस्सा बना।

डायरेक्टर की चॉइस में विद्या बालन रोल के लिए परफेक्ट थी

मिलन लुथरिया ने फिल्म के दौरान अपनी यादों को शेयर करते हुए बताया कि ऐसा तीन बार हुआ जब मुझे लगा था कि यह फिल्म नहीं बन पाएगी। उन्होंने सबसे पहला इंसिडेंट द डर्टी पिक्चरकी कास्टिंग को लेकर बताया। हालांकि डायरेक्टर की चॉइस में हमेशा विद्या बालन ही इस रोल के लिए परफेक्ट थी। दूसरे इंसिडेंट में उन्होंने कहा कि विद्या बालन की इमेज उनके किरदार से बिल्कुल अलग थी। इसे पर्दे पर दिखाना आसान नहीं था। लेकिन मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ ने अपनी स्किल्स से ये बखूबी कर दिखाया। तीसरे इंसिडेंट में डायरेक्टर ने बताया कि डिस्ट्रिब्यूटर्स ने फिल्म के टाइटल को लेकर ऐतराज किया था। वे चाहते थे कि इस फिल्म का टाइटल बदला जाए लेकिन एकता कपूर ने ऐसा होने नहीं दिया। एकता कपूर अपने डिसिजन पर अड़ी रहीं और अपना पैसा लगाकर फिल्म को द डर्टी पिक्चर टाइटल के साथ ही रिलीज किया। इतना ही नहीं फिल्म के रिलीज के बाद फिल्ममेकर्स ने सिर्फ महिलाओं के लिए इस फिल्म का एक स्पेशल शो भी रखा था।

टैक्सी में छूटे डेढ़ लाख और दो लैपटाप, पुलिस ने तलाशकर लौटाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

होटल लेकव्यूह से मिनाल रेसीडेंसी जा रहे एक युवक का टेक्सी में बैग छूट गया। बैग में डेढ़ लाख रुपए के दो लैपटाप समेत दो लाख रुपए का सामान था। पुलिस ने मशक्कत के बाद टेक्सी का पता लगाकर उक्त रुपए बरामद कर लिए। रुपए और लैपटाप मिलने से फरियादी ने पुलिस की प्रशंसा की।

पुलिस के अनुसार थाना अयोध्या नगर में प्रभाव पाठक ने बताया कि उसने एक ओला कंपनी की टैक्सी बुक की थी। टेक्सी से वह होटल लेकव्यूह अशोका से मिनाल रेसीडेंसी पहुंचे। इस दौरान मिनाल में वे व्यस्तता के कारण अपना बैग

फाइल फोटो

टेक्सी में ही भूल गए। जब उन्हें बैग की याद आई तो टेक्सी जा चुकी थी। बैग में दो लैपटॉप पर लगभग कीमत डेढ़ लाख रुपए एवं अन्य जरूरी दस्तावेज व सामान था। घटना की जानकारी उन्होंने अयोध्या नगर पुलिस थाने में की। पुलिस ने सूचना कंट्रोल रूम से प्रसारित करवाई गई। इसके बाद वीडीपी पोर्टल से आरटीओ की पंजीयन साइड से एड्रेस निकाले गए। टेक्सी 2 से 3 लोगों में ट्रांसफर हो चुकी थी। सभी लोगों से बात की गई और रायसेन संपर्क किया गया। उक्त पता करके पता एड्रेस मोबाइल नंबर पता करके वहां का पता किया गया ड्राइवर का मोबाइल बंद था। वह दोनों के नंबर आपस में आदान-प्रदान न होने से संपर्क नहीं हो सका। बाद में ड्राइवर और वहां से तलाश कर बैग बरामद कर लिया गया। फरियादी का बैग मिलने से उसने पुलिस की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए पुलिस के कार्य की सराहना की।

बैरागढ़ में मां बेटी से लूटपाट करने वाले लुटेरों का नहीं लगा सुराग

भोपाल। बैरागढ़ इलाके में बेटी के साथ स्कूटर पर बैठकर शादी समारोह में जा रही महिला के गले से सोने की चैन लूटने वाले बाइक सवार बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। जानकारी के अनुसार सीआरपी बैरागढ़ निवासी भावना पारवानी (42) शुक्रवार रात करीब पौने दस बजे अपनी बेटी पायल पारवानी के साथ स्कूटर पर बैठकर रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए होटल नमन पैलेस जा रही थी। संत जी की कुटिया के आगे अंधेरे वाली जगह पर पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चैन छीन ली थी। मां-बेटी ने दोनों बदमाशों का हलालपुरा बस स्टैंड तक पीछा किया, लेकिन अचानक बीच में कार आ जाने से मां-बेटी स्कूटर से गिर पड़ीं, तभी बदमाश भाग निकले। लूटी गई चैन की कीमत 60 हजार रुपये बताई गई थी। पुलिस ने इस मामले में लूटपाट के बजाए चोरी का केस दर्ज किया था। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, लेकिन बदमाशों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

डॉक्टर की बताई जा रही कार, पुलिस ने दर्ज किया मामला

तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े डंपर में घुसी, ड्राइवर के पैर में चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा चौकी के पास शनिवार रविवार की दरमियानी रात तेज रफ्तार कार लग्जरी कार ने सड़क किनारे डंपर को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के समय डंपर का चालक डंपर का टायर बदलने के बाद सामने कैबिन में टायर चढ़ा रहा था। टक्कर लगने के बाद इतना तेज धमाका हुआ कि ड्राइवर के हाथ से टायर फिसलकर पैर पर गिर गया। पैर में टायर गिरने से उसे गंभीर चोट आई है। इधर टक्कर मारने वाले कार के एयरबैग खुलने से कार में बैठे युवकों को मामूली चोट आई थी। उक्त कार कोटरा सुल्तानाबाद में रहने वाले डॉक्टर के नाम पर रजिस्टर्ड बताई जा रही है। पुलिस ने डंपर चालक की शिकायत पर कार चालक पर मामला दर्ज कर लिया है।

प्रधान आरक्षक यासीन अहमद ने बताया कि नई बस्ती सिकंदराबाद, रातीबड़ निवासी 32 साल के विनोद रावत पेशे से डंपर ड्राइवर हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वह कमला नगर से रातीबड़ जा रहा रहा था। इस दौरान भदभदा पुलिस चौकी के पास डंपर का टायर पंचर हो गया। विनोद ने डंपर सड़क किनारे लगाया और टायर बदल दिया। रात करीब सवा एक बजे टायर बदलने के बाद वह पंचर टायर लेकर कैबिन में चढ़ा रहा था। इसी बीच डंपर के पीछे तेज रफ्तार लग्जरी कार आकर घुस गई। कार इतनी रफ्तार में थी। जोरदार धमाका हुआ और डंपर हिल गया। इस धमाके में दहशत में आए विनोद रावत के हाथ से टायर फिसल गया और उसके पैर पर गिर गया। पैर पर टायर गिरने के कारण विनोद को दाहिने पैर में गंभीर चोट आई है। करीब पचास किलो का टायर गिरने से पैर के पंजे का मांस बाहर निकल गया था। घटना की जानकारी उन्होंने मालिक को दी और मालिक मौके पर पहुंचा। इसके बाद विनोद को हजेला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुरू कर दी थी डंपर की पार्किंग लाइट

विनोद का कहना है कि टायर बदलने से पूर्व उसने डंपर की पार्किंग लाइट शुरू कर दी थी। जिस जगह हादसा हुआ वहां स्ट्रीट लाइट भी चल रही थी। बावजूद इसके कार के ड्राइवर ने जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि घटना के समय विनोद डंपर के पीछे नहीं था। नहीं तो उसकी जान जा सकती थी।

एयरबैग खुलने से आई मामूली चोट

हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का रेडीरेटर और इंजन बुरी तरह से चिपट गया। कार के ऐयरबैग खुलने से कार में मौजूद युवकों को मामूली चोट आई थी। कार नंबर के आधार पर कोटरा सुल्तानाबाद में रहने वाले विष्णुकांत पांडे के नाम पर रजिस्टर्ड है। यह भी बताया जा रहा है कि कार मालिक डॉक्टर है।

ई रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ चौराहा पर ई रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह नीलबड़ चौराहा पर बेसुध मिला था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पुलिस के अनुसार जसवंत दोहरे पिता सरवन दोहरे (32) कलखेड़ा रातीबड़ में रहता था और ई रिक्शा चलाता था। शनिवार सुबह वह घर से नीलबड़ चौराहा निकला था और वहां एक दुकान से सिगरेट ली। सिगरेट लेने की बात को लेकर उसकी दुकानदार से कहासुनी हुई थी। कहासुनी के बाद वह सिगरेट लेकर निकल गया। कुछ देर बाद कुछ लोगों ने उसे नीलबड़ चौराहा पर दुकान के पास बेसुध देखकर परिजन को सूचना दी थी। मृतक का भाई मौके पर पहुंचा और उसे अस्पताल ले गया। अस्पताल में पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस आज नीलबड़ चौराहा के सीसीटीवी फुटेज देखेगी।

ढाबे में नुकसान होने से दुखी संचालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित पश्चिमी निशातपुरा में ढाबा संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पूछताछ में परिजन ने बताया कि उसने अचारपुरा में ढाबा खोला था और ढाबा ठीक से चल नहीं सका। नुकसान होने के कारण एक महीने से ढाबा बंद था और किराया समेत कर्ज बढ़ गया था। अनुमान है कि ढाबे के संचलन में हुए नुकसान से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

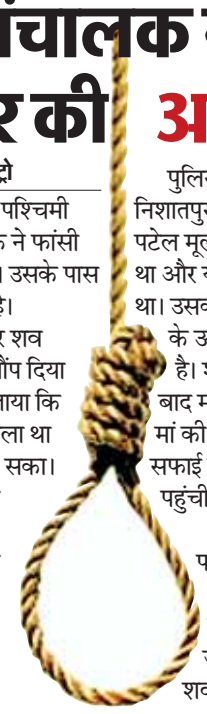

पुलिस के अनुसार पश्चिमी निशातपुरा निवासी 42 साल का राकेश पटेल मूलतः उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और यहां अपनी मां के साथ रहता था। उसका खुद का मकान है। मकान के ऊपर शेडनुमा कमरा बना हुआ है। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद मां और राकेश सो गए थे। सुबह मां की नींद खुली और वह साफ सफाई करने छत पर बने कमरे में पहुंची।

इस दौरान उन्होंने फांसी के फंदे पर राकेश की लाश देखी थी। मां ने अपने दूसरे बेटे खूबचंद को घटना की जानकारी दी और इसके बाद शव फंदे से नीचे उतारा गया।

रिहर्सल

भोपाल। होमगार्ड संगठन की स्थापना दिवस के मौके पर होने वाली परेड की रिहर्सल की गई।

शांतिपूर्ण मतगणना के साथ निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होने पर कलेक्टर-पुलिस आयुक्त ने माना आभार

भोपाल। भोपाल जिले में शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना के साथ ही विधानसभा निर्वाचन संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह और पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्रा ने जिले में निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों, कर्मचारियों सहित आम नागरिकों, सुरक्षा बलों, मीडिया कर्मियों, राजनैतिक दलों आदि के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर सिंह ने विधानसभा निर्वाचन की मतगणना कार्य से संबद्ध प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों, जिला अधिकारियों और कर्मचारियों के सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी शासकीय कर्मियों की लगन, निष्ठा और कड़ी मेहनत की वजह से शांति पूर्ण तरीके से मतदान और मतगणना का कार्य संपन्न हुआ।

कलेक्टर सिंह ने निर्वाचन कार्य के कव्हरेज में रचनात्मक सहयोग प्रदान करने के लिए जिले के सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों को भी धन्यवाद दिया।

मेट्रो एंकर सिर में चोट मामला संदिग्ध, हादसा या हत्या, पुलिस जांच में जुटी

द्वारिका नगर में दुर्गा मंदिर के पास मृत मिले युवक का आज होगा पीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर गली नंबर-पांच के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी चर्च और दुर्गा मंदिर के बीच सड़क पर मृत अवस्था में मिले युवक का आज पुलिस पीएम कराएगी। पुलिस अभी मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही थी, लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी।

थाना प्रभारी कृष्णदेव सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात वह संभागीय गश्त कर रहे थे। इस दौरान रात करीब डेढ़ बजे के आसपास सूचना मिली कि द्वारिका नगर, गली नंबर पांच के पास चर्च और दुर्गा मंदिर के पास मुख्य सड़क किनारे किसी युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो एक 40 साल के युवक का शव बरामद किया गया। मृतक के सिर में बांई ओर चोट के निशान थे, जबकि सिर में टोपी लटकी थी। टोपी में खून था। यह कहना मुश्किल है कि युवक के सिर पर चोट कैसे आई है। रविवार को मृतक का पीएम कराया जाएगा। पीएम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के लोगों को बताया था। इस दौरान पता चला कि मृतक शराब पीने का आदी था। इलाके में अक्सर लोगों से पीने के लिए रुपए मांगता था। अनुमान है कि वह शराब के नशे में गिरा है और सिर में उसे पत्थर लग गया।

बाल उद्यान के पास मिले शव की नहीं हुई पहचान

भोपाल। गोविंदपुरा स्थित बाल उद्यान के पास मिले अज्ञात शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि पार्क के पास एक युवक की लाश पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष बताई गई है। आसपास के लोगों ने बताया कि वह इलाके में ही घूमता रहता था और लोगों से भीख मांगकर गुजारा करता था। मृतक के पास एक कंबल मिला था, लेकिन अनुमान है कि बीमारी के कारण रात के समय तेज ठंड लगने से उसकी मौत हुई होगी। हालांकि मौत के सही कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो पाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022